RNI No.: UPHIN/25/A1697
GARVI GUJARAT
गरवी गुजरात
गरवी गुजरात
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 194
दि. 15.11.2025,
शनिवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.
Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

बिहार चुनाव परिणाम 2025: एनडीए की 202 सीटों पर जीत, एमजीबी 36 पर सिमटी, अब हुआ साफ- 'बिहार मतलब नीतीश'

(जीएनएस)।

बिहार की राजनीतिक तस्वीर अब पूरी तरह साफ हो चुकी है और नतीजे चौंकाने वाले हैं। 243 में से 202 सीटों पर NDA की ऐतिहासिक बढ़त ने पूरे राज्य में सियासी हलचल मचा दी है। दूसरी ओर महागठबंधन (MGB) सिर्फ 35 सीटों पर सिमटता दिखाई दे रहा है, जो उसके लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं है।

इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट कर इस जनादेश को सुशासन और विकास की जीत करार दिया। उन्होंने लिखा कि बिहार की जनता ने एनडीए को अभूतपूर्व समर्थन दिया है और यह जनादेश उन्हें राज्य के लिए नए संकल्प के साथ काम करने की शक्ति देता है।

2020 में सिर्फ 43 सीटों पर रुक गई खउ्ञ इस बार शानदार वापसी करते हुए 85 सीटों के आंकड़े को पार कर गई है। वहीं BJP 89 सीटों के साथ राज्य की सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। यह नतीजा साफ दिखाता है कि बिहार में NDA की लहर नहीं, बल्कि सुनामी चली है। NDA के अन्य सहयोगी जीतन राम मांझी की पार्टी हम 5 सीटें जीत रही हैं। वहीं उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा 4 सीटों पर जीते हैं।

महागठबंधन इस बार बुरी तरह बिखर गया है। RJD सिर्फ 25 सीटों पर कांग्रेस 6 सीटों पर जीती है। जबकि पवन केशरी की जन सुराज पार्टी और श्क्ढ, दोनों का खाता भी नहीं खुल पाया। अन्य और निर्दलीय मिलाकर 6 सीट जीते हैं।

इस भारी बहुमत के साथ एक बात फिर साफ हो गई है कि बिहार की राजनीति में समीकरण चाहे कितने भी बदलें, लेकिन बिहार मतलब नीतीश की राजनीति अब भी राज्य में निर्णायक है। पटना में आज नतीजों के बाद इनकम टैक्स इनकम टैक्स गोलंबर पर 'बिहार मतलब नीतीश कुमार' के

पोस्टर लगाए गए हैं। नतीजों के बीच सम्राट चौधरी और ललन सिंह ने नीतीश कुमार से मुलाकात की, जिससे राजनीतिक हलकों में कई तरह के कयास भी तेज हो गए हैं।

जनसुराज का हाल: 98% उम्मीदवारों की जमानत जब्त, एक भी सीट नहीं चमकी

प्रशांत किशोर की जनसुराज पार्टी का इस चुनाव में प्रदर्शन बेहद कमजोर रहा। 238 सीटों में से 233 उम्मीदवार अपनी जमानत तक नहीं बचा पाए। यानी लगभग 98% कैंडिडेट्स चुनावी मैदान में टिक ही नहीं सके। मढ़ौरा जैसी सीट पर भी, जहां ठञ्ञ का उम्मीदवार नामांकन विवाद में बाहर हो गया था, जनसुराज दूसरे नंबर तक नहीं पहुंच पाई।

राजनीतिक विश्लेषकों की तमाम चचाओं के बावजूद जनसुराज का वोट शेयर भी खास नहीं रहा। पार्टी को करीब 2% वोट मिलता दिख रहा है, जो किसी नई लहर या बड़े समर्थन आधार की ओर इशारा नहीं करता।

अक्टक्ट और इरढ ने जनसुराज से बेहतर किया प्रदर्शन

जनसुराज से उलट, असदुद्दीन ओवैसी की अक्टक्ट और मायावती की इरढ ने सीमित संसाधनों के बावजूद बेहतर परिणाम दिखाए हैं। अक्टक्ट का बेहतर स्ट्राइक रेट रहा। अक्टक्ट ने 28 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे और लगभग 1.9% वोट शेयर हासिल किए। पार्टी 5 सीटों पर जीत दर्ज करने में सफल रही

इरढ ने भी जनसुराज को पछाड़ा है। इरढ ने 181 सीटों पर चुनाव लड़ा है। बसपा के1.6% वोट शेयर मिला है। पार्टी को 1 सीट पर जीत मिल रही है।

पीएम मोदी बोले -ये सामाजिक न्याय और जनकल्याण की जीत

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, "यह सुशासन की जीत है, विकास की जीत है, जन-कल्याण की भावना की जीत है और सामाजिक न्याय की जीत है। बिहार के लोगों ने एनडीए को ऐतिहासिक जीत का आशीर्वाद दिया है।"

बंपर जीत पर नीतीश बोले- बिहार और आगे बढ़ेगा

नीतीश कुमार ने बंपर जीत के बाद एक्स पोस्ट में कहा, "बिहार विधान सभा चुनाव-2025 में राज्यवासियों ने हमें भारी बहुमत देकर हमारी सरकार के प्रति विश्वास जताया है। इसके लिए राज्य के सभी सम्मानित मतदाताओं को मेरा नमन, हृदय से आभार एवं धन्यवाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को उनसे मिले सहयोग के लिए उनका नमन करते हुए हृदय से आभार एवं धन्यवाद। एनडीए गठबंधन ने इस चुनाव में पूरी एकजुटता दिखाते हुए भारी बहुमत हासिल किया है। इस भारी जीत के लिए एन०डी०ए० गठबंधन के सभी साथियों- श्री चिराग पासवान जी, जीतन राम मांझी, उपेन्द्र कुशवाहा जी को भी धन्यवाद एवं आभार। आप सबके सहयोग से बिहार और आगे बढ़ेगा तथा बिहार देश के सबसे ज्यादा विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल होगा।"

- ठञ्ञ को जबरदस्त बढ़त, पिछले चुनाव की तुलना में 75+ सीटों का फायदा मिला। खउ्ञ ने सबसे बड़ी छलांग लगाई, 2020 के मुकाबले 40 से अधिक सीटों पर बढ़त हासिल।
- लोजपा (रामविलास) ने शानदार प्रदर्शन किया-28 सीटों में से 19 पर बढ़त बनाए हुए। महुआ सीट पर बड़ा उलटफेर, खखऊ के तेज प्रताप यादव चुनाव हार गए।
- दानापुर में भी बड़ा झटका- फ्खऊ के बाहुबली उम्मीदवार रीतलाल यादव पराजित। छपरा से चुनाव लड़ रहे भोजपुरी स्टार खेसारी लाल यादव हार गए, फ्खऊको बड़ा नुकसान। अलीनगर से भोजपुरी सिंगर और भाजपा प्रत्याशी मैथिली ठाकुर ने शानदार जीत दर्ज की।राष्ट्रपति ने 15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस समारोह में भाग लिया

बिहार में मिली प्रचंड जीत के बाद पीएम मोदी ने घुमाया गमछा, जय छठी मइया से की भाषण की शुरूआत

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के परिणाम घोषित हो चुके हैं, जिसमें NDA ने शानदार जीत दर्ज की है। मतगणना के दौरान कई सीटों पर नाटकीय उतार-चढ़ाव देखने को मिला, लेकिन अंततः NDA ने बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया।

बिहार में भाजपा के प्रतिनिधित्‍ व वाले एनडीए गठबंधन को मिली जीत के बादप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अभिनंदन किया।

इस मौके पर मंच पर पीएम मोदी ने अपना अगोछा हाथ में लेकर जैसे ही हवा में घुमाया, कार्यकर्ता तालियां बजाने लगे और अपना अगोछा निकाल कर हवा में लहराने लगे। पीमए मोदी ने छठी मैया की जय से

अपने भाषणा की शुरूआत की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए को मिली शानदार जीत के लिए राज्य की जनता का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह सुशासन और विकास की जीत है। प्रधानमंत्री ने कहा कि लोगों ने एनडीए के ट्रैक रिकॉर्ड और "राज्य को नई ऊंचाइयों पर ले जाने" के विजन को देखकर सत्तारूढ़ गठबंधन को लोगों ने भारी बहुमत दिया है।"

बिहार में मिली जीत के बाद पीएम मोदी ने लिखा,"सुशासन की जीत हुई है। विकास की जीत हुई है। लोक कल्याण की भावना की जीत हुई है। सामाजिक न्याय की जीत हुई है। बिहार के परिवारजनों का मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने 2025 के विधानसभा चुनावों में एनडीए को ऐतिहासिक और अभूतपूर्व विजय का आशीर्वाद दिया है। यह प्रचंड जनमत हमें बिहार के लोगों की सेवा करने और नए संकल्प के साथ काम करने के लिए सशक्त करेगा।"

मुंबई के सीएसएमटी स्टेशन के बाहर मिला संदिग्ध बैग, लोगों में दहशत, बम स्क्वॉड पहुंचा

दिल्ली के लाल किला के पास हुए बम धमाके के बाद देश भर के राज्य हाई अलर्ट पर हैं। इसी बीच शुक्रवार को छत्रपति शिवाजी टर्मिनस (CSMT) बस डिपो पर एक संदिग्ध लाल बैग

मिलने से हड़कंप मच गया। स्टेशन पर बैग मिलने ही हड़कंप मचने के बाद, बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वॉड (BDDS) की टीम गहन जांच के लिए मौके पर पहुँची। यह घटना सोमवार को दिल्ली के लाल किले के पास हुए शक्तिशाली विस्फोट के कुछ ही दिनों बाद हुई, जिसमें कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई थी।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में 15 नवंबर को नर्मदा जिले में जनजातीय गौरव दिवस का राष्ट्रीय स्तर का उत्सव

डेडियापाडा में आयोजन, प्रधानमंत्री के करकमलों से केन्द्र एवं राज्य सरकार के 9,700 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास किया जाएगा

प्रसिद्ध देवमोगरा धाम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी माताजी के दर्शन करेंगे, एकता नगर में भगवान बिरसा मुंडा के जीवन पर आधारित नाट्य प्रस्तुति का आयोजन

देश सहित गुजरात में उत्साहपूर्वक मनाया जा रहा है जनजातिय गौरव वर्ष 2025

गांधीनगर, 14 नवंबर :जनजातीय नायकों के शौर्य तथा अमूल्य योगदान को सम्मानित करने के लिए समग्र देश में जनजातीय गौरव वर्ष मनाया जा रहा है। आगामी 15 नवंबर 2025 को केन्द्र सरकार द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती मनाई जाएगी। इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में गुजरात के नर्मदा जिले में जनजातीय गौरव दिवस के राष्ट्रीय स्तर के उत्सव का आयोजन किया गया

है। नर्मदा के डेडियापाडा में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में राज्य के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के करकमलों से केन्द्र तथा राज्य सरकार के 9,700 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों की भेंट दी जाएगी।

इस राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री देवमोगरा धाम में माताजी की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लेंगे। सतपुडा पर्वतमाला में स्थित यह धाम आदिजाति समाज के लोगों की श्रद्धा का केन्द्र है। प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र तथा गुजरात के आदिजाति कलाकार परंपरागत परिवेश में उनका स्वागत करेंगे।

9,700 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों की भेंट, गुजरात की विकास यात्रा को सुदृढ़ बनाने के लिए इस उत्सव के हिस्से के रूप में केन्द्र सरकार की ओर से 7,667 करोड़ रुपए तथा राज्य सरकार की ओर से 2,112 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की भेंट दी जाएगी। इस दिन शाम को भगवान बिरसा मुंडा के जीवन पर आधारित नाट्य प्रस्तुति का आयोजन एकता नगर में किया गया है। इस समारोह का सीधा प्रसारण राज्य के आदिजाति जिलों की 23 तहसीलों में किया जाएगा। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सभा को संबोधित भी करेंगे।

राज्य सरकार की ओर से शिलान्यस्त होने वाले विकास कार्य

सड़क एवं भवन विभाग : मोवी-डेडियापाडा रोड, अवधा-तुतरखेड रोड, बारडोली-महुवा रोड का फोर लेनिंग, वडोदरा-डभोई रोड पर रोड ओवरब्रिज कम लेवल क्रॉसिंग (आरओबीएलसी), हांसपोर-अब्रामा-अमलसाड रोड पर एरू चौराहे के पास मेजर ब्रिज का पुनर्निर्माण, नेनपुर-हलधरवास-बार मुवाडा रोड का चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण, सुरखाय-अनावल-भिनार रोड और सिंधरोट-शेरखी-कोयली रोड को फोर लेन करने का कार्य।

- शहरी विकास विभाग : वडोदरा के खानपुर में मल्टीएक्टिविटी स्पोट्र्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण, कोयली टीपी स्कीम में भूमिगत ड्रैनेज नेटवर्क, आणंद के खंभात में जलापूर्ति योजना तथा सूरत में महाराणा प्रताप जंक्शन (लिंबायत जोन) में फ्लाई ओवरब्रिज का निर्माण।
- स्वास्थ्य विभाग : पंचमहाल के हालोल में 100 बेड की क्षमता वाला सब डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल।
- जल ससाधन विभाग : वडोदरा में वाघोडिया में आजवा सरोवर पर बांध का निर्माण।

प्रचंड जीत के बाद नीतीश कुमार की पहली प्रतिक्रिया, पीएम मोदी और चिराग के लिए कही ये बात

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों ने स्पष्ट कर दिया है कि प्रदेश की जनता डबल इंजन की सरकार के साथ है। एनडीए को मिली बंपर जीत के बाद सीएम नीतीश कुमार का पहला रिएक्शन आया है। उन्होंने प्रदेश की जनता का आभार जताते हुए कहा कि जनता से मिले आशीर्वाद के लिए दिल से धन्यवाद देना चाहता हूं। साथ ही, उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी का शुक्रिया अदा करते हुए गठबंधन के सभी सहयोगियों का आभार जताया है। उन्होंने चिराग पासवान, जीतनराम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा का भी आभार जताया।

सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार की देवतुल्य जनता ने एनडीए को बड़ी जीत का आशीर्वाद दिया है। यह जीत एनडीए के साझे सहयोग का परिणाम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व के साथ गठबंधन के सभी सहयोगियों ने अपना पूरा योगदान दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बिहार चुनाव नतीजों को एनडीए और सुशासन

के साथ विकास की नीतियों की जीत बताया है।

प्रदेश में एनडीए को बंपर जीत मिली है, लेकिन प्रदेश की सबसे बड़ी पार्टी बीजेपी बनी है। विपक्षी नेता फिर दावा कर रहे हैं कि अब बीजेपी नीतीश कुमार को सीएम नहीं बनाएगी। हालांकि, नीतीश ने अपनी एक प्रतिक्रिया के जरिए ऐसे सभी अटकलों पर विराम लगा दिया है। उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी का शुक्रिया अदा करते हुए एनडीए के सभी साझेदारों की जीत बताया है। इसके साथ ही उन्होंने यह संदेश दे दिया है कि यह सिर्फ बीजेपी के अकेले की जीत नहीं है, बल्कि साझा सहयोग की वजह से यह जीत मिली है।

सीएम नीतीश कुमार ने इस जीत के लिए प्रदेश के कार्यकताओं का आभार जताते हुए कहा कि अब बिहार देश के सबसे विकसित राज्यों की श्रेणी में आएगा। बीजेपी के नेताओं ने भी प्रतिक्रिया देते हुए इस जीत को ऐतिहासिक करार दिया है। चिराग पासवान ने भी कहा कि यह जीत बिहार की जनता के सुशासन और विकास की नीति पर मुहर है।

बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों ने एग्जिट पोल कराने वाली कंपनियों और राजनीतिक विश्लेषकों को भी हैरत में डाल दिया है। ज्यादातर एग्जिट पोल में बीजेपी को बढ़त का अनुमान जताया था, लेकिन इतनी प्रचंड जीत का अनुमान लगाने में चूके थे। एक्सिस माई सर्वे समेत कई और एजेंसियों ने कांटे की टक्कर का अनुमान लगाया गया था। हालांकि, नतीजे इससे बिल्कुल उलट रहे हैं। महागठबंधन की करारी शिकस्त हुई है और यह पूरी तरह से एकतरफा जीत लग रही है।

सहायक पुलिस आयुक्त कृष्णानगर द्वारा सराफा व्यापारियों के साथ गोष्ठी का आयोजन, कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर की गई चर्चा

वी०बी०न्यूज/ब्यूरो रिपोर्ट
आशीष तिवारी

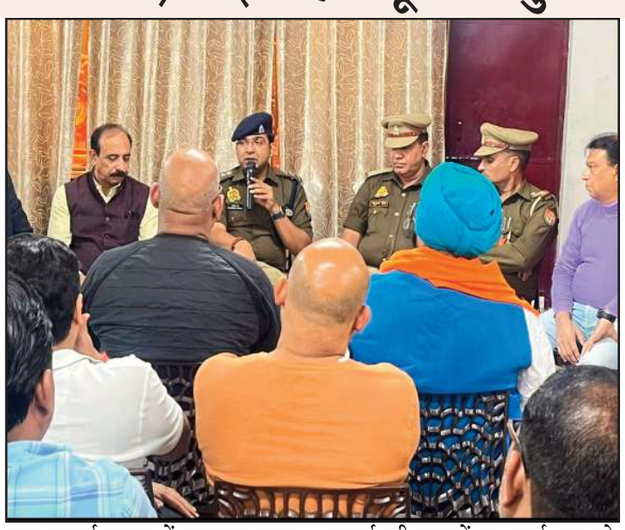

लखनऊ। शुक्रवार को सहायक पुलिस आयुक्त कृष्णानगर रजनीश वर्मा के द्वारा चौकी सराफा अन्तर्गत हरीश फैशन मार्ट में सराफा व्यापारियों के साथ गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें कृष्णानगर थाना प्रभारी निरीक्षक पीके सिंह व पुलिस के साथ सराफा व्यापार मण्डल केअध्यक्ष व सदस्य उपस्थित रहे उनके द्वारा निम्नांकित बिंदुओं पर चर्चा की गयी सराफा बाजार में यातायात दबाव, सराफा दुकानों पर लगे श्रमिकों के सत्यापन सीसीटीवी कैमरों के अधिष्ठापन, सराफा की दुकानों पर लगने वाले गाड्र्स सराफा व्यापारियों

द्वारा सराफा बाजार में यातायात दबाव सराफा की दुकानों पर कार्य कर रहे श्रमिकों के सत्यापन महत्वपूर्ण स्थलों पर सीसीटीवी कैमरों के अधिष्ठापन एवं सराफा दुकानों पर गार्डों की नियुक्ति सम्बन्धी विन्दुओं को उल्लिखित किया गया।उल्लिखित विन्दुओं के सम्पर्क निवारण हेतु आपरेशन दृष्टि कैमरा अधिष्ठापन आपरेशन पसारा सुरक्षा गार्ड आदि के सम्बन्ध में जागरूक करते हुये दुकान के बाहर रोड पर वाहन पार्किंग को लेकर महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिये गये। आगन्तुक सराफा व्यापारियों द्वारा प्रस्तावित गोष्ठी में उल्लिखित बिंदुओं पर की गयी चर्चा व सम्यक निराकरण हेतु चलाये गये अभियान व दिशा निर्देश की भूरी भूरी प्रंशसा की गयी।

सम्पादकीय

बच्चों के लिये बाल दिवस महत्वपूर्ण

भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के जन्म दिवस के अवसर पर बाल दिवस के दौरान विविध कार्यक्रमों के जरिये बच्चों के अधिकार और विकास पर चर्चा की जाती है। पं. जवाहर लाल नेहरू को 'चाचा नेहरू' कहा जाता था और उन्हें बच्चों से बहुत प्यार था। बच्चों के उज्वल भविष्य के लिए 'बाल दिवस' स्कूलों तथा अन्य संस्थाओं में धूमधाम से मनाया जाता है। बच्चे जवाहर लाल नेहरू को चाचा इसलिए कहते थे क्योंकि बच्चों को चाचा जितना प्यारा कोई नहीं होता। कहा जाता है कि पंडित नेहरू बच्चों से बेहद प्यार करते थे इसलिए बाल दिवस मनाने के लिए उनका जन्मदिन चुना गया। असल में बाल दिवस की नींव 1925 में रखी गई थी, जब बच्चों के कल्याण पर विश्व कांग्रेस में बाल दिवस मनाने की सर्वप्रथम घोषणा हुई। 1954 में दुनिया भर में इसे मान्यता मिली। संयुक्त राष्ट्र ने यह दिन 20 नवंबर के लिए तय किया लेकिन अलग अलग देशों में यह अलग दिन मनाया जाता है। कुछ देश 20 नवंबर को भी बाल दिवस मनाते हैं। 1950 से बाल संरक्षण दिवस यानि 1 जून भी कई देशों में बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिन इस बात को याद दिलाता है कि हर बच्चा खास है और बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए उनकी मूल जरूरतों और पढ़ाई लिखाई की जरूरतों का पूरा होना बेहद जरूरी है। यह दिन बच्चों को उचित जीवन दिए जाने की भी याद दिलाता है। चाचा नेहरू भारत के पहले प्रधानमंत्री थे और तीन मरूति भवन प्रधानमंत्री का सरकारी निवास था। एक दिन तीन मरूति भवन के बगीचे में लगे पेड़-पौधों के बीच से गुजरते हुए घुमावदार रास्ते पर नेहरू जी टहल रहे थे। उनका ध्यान पौधों पर था। वे पौधों पर छाई बहार देखकर खुशी से निहाल हो ही रहे थे तभी उन्हें एक छोटे बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी। नेहरू जी ने आसपास देखा तो उन्हें पेड़ों के बीच एक-दो माह का बच्चा दिखाई दिया जो दहाड़ मारकर रो रहा था। नेहरूजी ने मन ही मन सोचा- इसकी माँ कहाँ होगी? उन्होंने इधर-उधर देखा। वह कहीं भी नजर नहीं आ रही थी। चाचा ने सोचा शायद वह बगीचे में ही कहीं माली के साथ काम कर रही होगी। नेहरूजी यह सोच ही रहे थे कि बच्चे ने रोना तेज कर दिया। इस पर उन्होंने उस बच्चे की माँ की भूमिका निभाने का मन बना लिया। आज भी चाचा नेहरू के इस देश में लगभग 5 करोड़ बच्चे बाल श्रमिक हैं। जो चाय की दुकानों पर नौकरों के रूप में फैक्ट्रियों में मजदूरों के रूप में या फिर सड़कों पर भटकते भिखारी के रूप में नजर आ ही जाते हैं। इनमें से कुछेक ही बच्चे ऐसे हैं, जिनका उदाहरण देकर हमारी सरकार सीना ठोकर देश की प्रगति के दावे को सच होता बताती है। यही नहीं आज देश के लगभग 53.22 प्रतिशत बच्चे शोषण का शिकार है। इनमें से अधिकांश बच्चे अपने रिश्तेदारों या मित्रों के यौन शोषण का शिकार है। अपने अधिकारों के प्रति अनभिज्ञता व अज्ञानता के कारण ये बच्चे शोषण का शिकार होकर जाने-अनजाने कई अपराधों में लिप्त होकर अपने भविष्य को अंधकारमय कर रहे हैं। बचपन आज भी भोला और भावुक ही होता है लेकिन हम उन पर ऐसे-ऐसे तनाव और दबाव का बोझ डाल रहे हैं कि वे कुम्हला रहे हैं। उनकी खनकती-खिलखिलाती किलकारियाँ बरकरार रहें इसके ईमानदार प्रयास हमें ही तो करने है। देश के ये गुलाबी नवांकुर कोमल बचपन की यादें सहेजें, इसके लिए जरूरी है कि हम उन्हें कठोर और क्रूर नहीं बल्कि मयूरपंख सा लहलहाता बचपन दें। चाचा नेहरू को दो बातें बहुत पसंद थी पहली वे अपनी शेरवानी की जेब में रोज गुलाब का फूल रखते थे और दूसरी वे बच्चों के प्रति बहुत ही मानवीय और प्रेमपूर्ण थे। यह दोनों ही बातें उनमें कोमल हृदय है इस बात की सूचना देते हैं। बच्चों को वैसे ही लोग प्रिय है, जो गुलाब या कमल के समान हो। हर वर्ष बचपन की यादों को ताजा करने के लिए बाल दिवस का आयोजन किया जाता है। यह दिन हमें सिखाता है कि एक निदरेष और जिज्ञासु बच्चे की तरह हमें सदैव खुश रहना चाहिए और हमेशा सीखने की कोशिश करते हुए मुस्कुराते रहना चाहिए। यह बच्चों के लिए उल्लास में डूब जाने का दिन है।

बिहार के बाहुबली अनंत सिंह, बड़े भाई भी थे विधायक, 'छोटे सरकार' की अनसुनी कहानी

(जीएनएस)।

भारत की राजनीति में नेताओं का सफर उनकी जाति और सामाजिक पृष्ठभूमि से गहराई तक जुड़ा होता है। खासकर बिहार जैसे राज्यों में यह समीकरण और भी अहम हो जाते हैं, जहां हर विधानसभा सीट पर जातीय संतुलन ही तय करता है कि किसके पक्ष में हवा बहेगी। विशेष रही है बिहार के बाहुबली और छोटे सरकार कहे जाने वाले नेता अनंत कुमार सिंह की कहानी।

बिहार की राजनीति में बाहुबलियों की भूमिका हमेशा से चर्चा का विषय रही है। इनमें सबसे बड़ा नाम है अनंत कुमार सिंह का, जिन्हें लोग प्यार से "अनंत दा" और "छोटे सरकार" भी कहते हैं। उनका सफर जितना विवादित रहा, उतना ही दिलचस्प भी। अनंत सिंह जेडीयू की टिकट पर मोकामा से चुनाव लड़े और फिर से मोकाम के किंग बन गए। अनंत कुमार सिंह मोकामा विधानसभा चुनाव 28 हजार वोटों से जीत गए हैं। उन्होंने फखऊ उम्मीदवार वीणा देवी को करारी हार दी है। अनंत सिंह वोटिंग से पहले दुलारचंद याजव हत्याकांड में गिरफ्तार किए गए। उन्होंने जेल में रहकर चुनाव जीता है। ऐसे आइए जानते हैं अनंत सिंह की जाति, पारिवारिक पृष्ठभूमि और राजनीति में उनकी पकड़ की पूरी कहानी।

भूमिहार जाति से आते हैं अनंत सिंह

अनंत सिंह का जन्म 1 जुलाई 1961 को पटना जिले के बाढ़ अनुमंडल के नदमां गांव में हुआ। वे भूमिहार जाति से ताल्लुक रखते हैं। बिहार की कुल आबादी में भूमिहारों की संख्या करीब 2.86 प्रतिशत है। हालांकि यह आंकड़ा छोटा लगता है, लेकिन राजनीति में इनकी पकड़ बेहद मजबूत है। अनंत सिंह की छवि अपनी जाति में "रॉबिनहुड" जैसी रही है। यही वजह है कि जब भी वे चुनाव मैदान में उतरते हैं, भूमिहार मतदाता बड़ी संख्या में उनके साथ खड़े दिखाई देते हैं।

भूमिहार समाज में अनंत सिंह की पकड़ किसी से छिपी नहीं है। मोकामा विधानसभा सीट से चुनाव लड़ते समय उन्हें भूमिहार वोटर्स का बड़ा समर्थन मिलता रहा है। माना जा रहा है कि इस बार भी उनका झुकाव जेडीयू और एनडीए के पक्ष में रहेगा। हालांकि, एक समय पर भूमिहार मतदाता नीतीश कुमार से नाराज हो गए थे, लेकिन अब उनकी नाराजगी काफी हद तक कम होती दिख रही है।

राजनीति में भाई से मिली एंट्री

अनंत सिंह चार भाइयों में सबसे छोटे हैं। उनके दो बड़े भाइयों-फाजो सिंह और बीरंची सिंह की हत्या हो चुकी है। जबकि बड़े भाई दिलीप सिंह की मौत बीमारी से हुई। पिता चंद्रदीप सिंह किसान थे। पारिवारिक त्रासदियों के बावजूद अनंत सिंह राजनीति की दुनिया में अपने लिए जगह बनाते गए।

अनंत सिंह की पहचान दबंग के तौर पर पहले से ही बन चुकी थी। लेकिन राजनीति में उनका पहला कदम उनके बड़े भाई दिलीप सिंह के जरिए हुआ। दिलीप सिंह 1990 और 1995 में मोकामा से विधायक बने।

हालांकि 2000 का चुनाव वे हार गए। इसके बाद परिवार की राजनीतिक विरासत संभालने के लिए अनंत सिंह मैदान में उतरे और 2005 से लगातार इस सीट पर दबदबा बनाए रखा।

अनंत सिंह ने 2005 के विधानसभा चुनाव से अपनी सक्रिय राजनीतिक पारी की शुरूआत की। मोकामा सीट से उनका दबदबा इतना रहा कि वह लगातार चार बार विधायक चुने गए। फरवरी 2005 और अक्टूबर 2005 के साथ-साथ 2010 का चुनाव उन्होंने जेडीयू के टिकट पर जीता, जबकि 2015 में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतरकर भी अपनी जीत बरकरार रखी।

छोटे सरकार' की छवि और बाहुबली नेता पर दर्जनों मामले दर्ज

अनंत सिंह को "छोटे सरकार" क्यों कहा जाता है, इसके पीछे भी किस्से हैं। एक बार उन्होंने पटना की सड़कों पर बग्घी में घूमते हुए खुद का वीडियो बनवाया। इस वीडियो के बैकग्राउंड में मशहूर गायक उदित नारायण का गाया गाना "छोटे सरकार" बज रहा था। इसके बाद से यह नाम उनकी पहचान बन गया।

उनकी दबंगई की कहानियां भी मशहूर हैं। हत्या, अपहरण, रंगदारी और जमीन कब्जाने जैसे कई मामलों में उनका नाम सामने आया। 2020 के चुनाव में दाखिल किए गए हलफनामे के मुताबिक, उन पर 38 आपराधिक मामले दर्ज हैं। बावजूद इसके मोकामा क्षेत्र के लोग उन्हें 'दादा' कहकर पुकारते हैं और खुलकर समर्थन भी करते हैं।

नीतीश कुमार से दोस्ती और राजनीति में मजबूती

अनंत सिंह की ताकत का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि 2004 के लोकसभा चुनाव में नीतीश कुमार खुद उन्हें अपने साथ जोड़ने के लिए आगे आए। बाढ़ में हुई एक रैली में अनंत सिंह ने नीतीश को चांदी के सिक्कों से तुलवा दिया था। भले ही नीतीश चुनाव हार गए, लेकिन यहीं से दोनों के बीच गहरी दोस्ती हो गई।

2005 से 2015 के बीच अनंत सिंह की संपत्ति में जबरदस्त इजाफा हुआ। 2005 में जहां वे महज 3.40 लाख रुपये की संपत्ति घोषित करते थे, वहीं 2015 तक उनकी संपत्ति 28 करोड़ रुपये से अधिक बताई गई।

अल्लंल्ल३ ड४ं१ ग्रल्लँ उं२३ी

अनंत सिंह के शौक भी बड़े, सनक भी अलग

अनंत सिंह सिर्फ राजनीति और बाहुबली छवि के लिए ही नहीं, बल्कि अपने अनोखे शौकों के लिए भी जाने जाते हैं। उन्हें घोड़ों का शौक है और कहते हैं कि अगर कोई घोड़ा पसंद आ जाए तो उसे किसी भी कीमत पर हासिल कर लेते हैं। एक बार उन्होंने लालू प्रसाद यादव का पसंदीदा घोड़ा भी किसी और के जरिए खरीद लिया था। लग्जरी गाड़ियों का भी उन्हें खासा शौक रहा है। हाल ही में उन्होंने ढाई करोड़ की कार ली है, जो चर्चा में रहा है।

राजनीति और अपराध का कॉकटेल

अनंत सिंह की पहचान हमेशा राजनीति और अपराध के बीच के संतुलन से जुड़ी रही। 2007 में जब उन पर एक महिला की हत्या और रेप का आरोप लगा, तो इस पर सवाल करने वाले पत्रकारों से उन्होंने बदसलूकी कर दी थी। यही वजह है कि मीडिया में उन्हें अक्सर विवादों में घिरा नेता बताया जाता है।

इसके बावजूद, मोकामा में उनका जलवा बरकरार रहा। स्थानीय लोग कहते हैं कि वे रात में घरों से बाहर निकलने से डरते थे, लेकिन जब बात अनंत दा की आती है तो वही लोग कहते हैं-"कुछ भी हो जाए, वोट तो हम दादा को ही देंगे।"

अल्लंल्ल३ ड४ं१ ग्रल्लँ उं२३ी

'छोटे सरकार' की अनसुनी कहानी

अनंत सिंह की कहानी सिर्फ बाहुबली नेता की नहीं, बल्कि उस राजनीति की भी है जिसमें जाति समीकरण, दबंगई और करिश्माई छवि सब मिलकर सत्ता का रास्ता बनाते हैं। भूमिहारों के वो बाहुबली नेता हैं तो विरोधियों के लिए खौफ का नाम।

उनकी जिंदगी उतार-चढ़ाव से भरी रही है-कभी जेल की सलाखों के पीछे, तो कभी विधानसभा में जनता की आवाज बनकर। यही कारण है कि आज भी जब मोकामा की गलियों में चुनावी चर्चा होती है, तो सबसे पहले नाम आता है "छोटे सरकार" का। अब देखना होगा कि इस चुनाव में क्या जनता उनका ऐसे सी सपोर्ट करेगी।

नीतीश के 25 मंत्री चुनाव में जीते या हारे? कई सीटों पर हुआ खेला, देखें पूरी लिस्ट

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 का रिजल्ट आ गया है। बिहार चुनाव की तस्वीर अब पूरी तरह स्पष्ट हो गई है। 243 सीटों में से ठऊअ 202 सीटों के भारी बहुमत के साथ ऐतिहासिक जीत की ओर बढ़ रहा है, जबकि महागठबंधन 36 सीटों पर सिमट गया है। नीतीश कुमार की सरकार के 36 मंत्रियों में से 28 मंत्री के सीटों पर भी फैसला आ गया है।

इनमें बीजेपी के 17 और जेडीयू के 11 मंत्री मैदान में हैं। दो डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी (तारापुर) और विजय कुमार सिन्हा (लखीसराय) बंपर वोटों से जीत गए हैं। वहीं एक मंत्री सुमित कुमार सिंह हार गए हैं। कई सीटों पर मुकाबला इतना कांटे का रहा कि नतीजे किसी को भी चौंका सकते हैं। आइए जानें 28 मंत्री में से कौन जीता और कौन हारा?

1. ◆ तारापुर विधानसभा सीट (सम्राट चौधरी जीते)

बीजेपी के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी तारापुर से मैदान में हैं। सम्राट चौधरी 45 हजार वोटों से जीते हैं। उनके सामने फखऊ के अरुण कुमार हार गए हैं। यह सीट कोइरी और

कुशवाहा समुदाय के वर्चस्व वाली मानी जाती है। सम्राट चौधरी को जातीय समीकरण का फायदा मिल रहा है, लेकिन उनकी 'रफ लैंग्वेज' को लेकर स्थानीय नाराजगी भी है। मुकाबला कड़ा है, पर ठऊअ की बढ़त बनी हुई है।

2. ◆ लखीसराय (विजय कुमार जीते)

दूसरे डिप्टी सीएम विजय सिन्हा 24 हजार 940 वोटों से जीते हैं। कांग्रेस के अमरेश अनीस हार गए हैं। लखीसराय पारंपरिक रूप से बीजेपी का गढ़ है, लेकिन इस बार कड़ा मुकाबला दिख रहा है। अमरेश अनीस लगातार मैदान में एक्टिव रहे हैं, जबकि विजय सिन्हा को संगठन और आरएसएस का मजबूत समर्थन है।

3. ◆ सीवान (मंगल पांडेय जीते)

स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय बाहुबली शहाबुद्दीन के गढ़ सीवान से चुनाव लड़ रहे हैं। ये 9 हजार वोट से जीते हैं। उनके सामने फखऊके दिग्गज अवध बिहारी चौधरी थे। मुस्लिम वोटों में अक्टक्ट और जन सुराज की एंट्री से बंटवारा हो सकता है, जिससे बीजेपी को फायदा मिलने की उम्मीद है।

4. ◆ कुढ़नी (केदार प्रसाद गुप्ता जीते)

पंचायती राज मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता 9 हजार वोटों से जीते हैं। विपक्ष में फखऊ के सुनील सुमन हैं। वैश्य और अतिपिछड़ा वर्ग के वोट केदार के साथ हैं। यहां एनडीए की स्थिति मजबूत है।

5. ◆ भोरे (सुनील कुमार जीते)

शिक्षा मंत्री सुनील कुमार 16 हजार वोटों से जीते हैं। पिछली बार बेहद कम अंतर से जीते थे। इस बार मुकाबला उढक (टछ) से है, लेकिन ठऊअ का समीकरण मजबूत दिख रहा है।

6. ◆ बेतिया (रेणु देवी जीते)

पूर्व डिप्टी सीएम रेणु देवी का मुकाबला कांग्रेस के बसी अहमद से था। वो 22 हजार वोटों से जीते हैं। ठऊअ के वोट बैंक में सवर्ण और वैश्य समुदाय का समर्थन है। रेणु देवी की मजबूत पकड़ और संगठन में अनुभव उन्हें बढ़त दिला सकता है।

7. ◆ गया टाउन (प्रेम कुमार जीते)

8 बार से विधायक प्रेम कुमार फिर से गया टाउन से जीत गए हैं। ये 26 हजार वोटों से जीते हैं। कांग्रेस के मोहन श्रीवास्तव चुनौती तो दे रहे हैं, लेकिन प्रेम कुमार की लोकप्रियता बरकरार है।

8. ◆ हरसिद्धि (कृष्णनंदन पासवान जीते)

गन्ना उद्योग मंत्री कृष्णनंदन पासवान 7 हजार वोट से जीते हैं। हरसिद्धि में फखऊ और जन सुराज दोनों के प्रत्याशी थे। वोट बंटवारे से ठऊअ को फायदा मिलने की उम्मीद है।

9. ◆ धमदाहा (लेसी सिंह जीते)

लेसी सिंह नीतीश की भरोसेमंद मंत्री हैं और इस बार वो 55 हजार वोटों से जीती हैं। वे लगातार क्षेत्र में सक्रिय रही हैं और विकास के मुद्दे पर वोट मांग रही हैं।

10. ◆ अमरपुर (जयंत राज जीते)

भवन निर्माण मंत्री जयंत राज 33 हजार वोटों से जीते हैं। वो पिछली बार मामूली अंतर से जीते थे, लेकिन इस बार ठऊअ के एकजुट होने से स्थिति मजबूत है।

11. ◆ फुलपरास (शीला मंडल जीते)

परिवहन मंत्री शीला मंडल लगातार दो बार से विधायक हैं। वो 14 हजार वोटों से जीती हैं। उनके परिवार का राजनीति में पुराना इतिहास है, जिससे उन्हें वोटों में बढ़त मिल रही है।

12. ◆ सुपौल (विजेंद्र यादव जीते)

ऊर्जा मंत्री विजेंद्र यादव लगातार आठवीं बार मैदान में हैं। ये 30 हजार वोटों से जीते हैं। कांग्रेस के रहमानी को टिकट आखिरी वक्त पर मिला, जिससे संगठन कमजोर पड़ा। विजेंद्र यादव आराम से आगे हैं।

13. ◆ चैनपुर (जमा खान जीते)

जमा खान, जो जेडीयू के इकलौते मुस्लिम मंत्री हैं, इस बार चैनपुर सीट से कड़ी टक्कर थी। वो 7997 वोटों से जीते हैं। बसपा के मजबूत कैडर की वजह से मुकाबला दिलचस्प बना हुआ है।

14. ◆ बांकीपुर (नितिन नवीन जीते)

पटना की हॉट सीट बांकीपुर पर मंत्री नितिन नवीन एक बार फिर जीत गए हैं। ये 51 हजार वोटों से जीत गए हैं। उनकी विकास योजनाओं और संगठनात्मक पकड़ का असर साफ दिख रहा है।

15. ◆ नालंदा (श्रवण कुमार जीते)

ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार नीतीश के सबसे भरोसेमंद साथियों में हैं। वो 33 हजार वोटों से जीते हैं। 1995 से लगातार विधायक रहे हैं और इस बार भी उनकी सीट से कोई बड़ा खतरा नहीं दिखता।

16. ◆ दरभंगा विधानसभा सीट (संजय सरावगी जीते)

इखढ मंत्री संजय सरावगी 24 हजार वोटों से जीते हैं। दरभंगा में बीजेपी का मजबूत गढ़, शहरी वोटरों में ठऊअ की बढ़त।

17. ◆ जाले विधानसभा सीट (जीवेश कुमार जीते)

बॉलीवुड को बड़ा झटका, लिजेंड्री एक्ट्रेस कामिनी कौशल का निधन

(जीएनएस)।

बॉलीवुड के स्वर्णिम दौर की मशहूर अदाकारा कामिनी कौशल अब इस दुनिया में नहीं रहीं। 19वीं सदी के आखिरी दशक से फिल्म इंडस्ट्री पर अपनी मजबूत छाप छोड़ने वाली कामिनी कौशल का 98 साल की उम्र में निधन हो गया है।

कामिनी कौशल का 98 साल की उम्र में निधन

लंबे समय से कामिनी कौशल बढ़ती उम्र से जुड़ी बीमारियों से जूझ रही थीं। उनके परिवार ने इस दुखद खबर की पुष्टि की है जिसके बाद फिल्म जगत में शोक की लहर दौड़ गई है।

पाकिस्तान के लाहौर में हुआ था एक्ट्रेस का जन्म

कामिनी कौशल हिंदी सिनेमा की उन चुनिंदा अभिनेत्रियों में से थीं जिन्होंने अपनी कला, सरल व्यक्तित्व और दमदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीता था। एक्ट्रेस का जन्म 1927 में पाकिस्तान के लाहौर में हुआ था।

1946 में शुरू किया था फिल्मी करियर

-अभिनय की दुनिया में कदम रखने के बाद कामिनी कौशल ने एक से बढ़कर एक यादगार फिल्मों से अपनी जगह मजबूत की। कामिनी कौशल ने 1946 में रिलीज हुई फिल्म 'नीचा नगर' से हिंदी सिनेमा में कदम रखा था। ये वही फिल्म है जिसने भारतीय फिल्म इंडस्ट्री को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई थी।

-'नीचा नगर' को कान्स फिल्म फेस्टिवल में बेस्ट फिल्म का पुरस्कार मिला था और ये अब तक की एकमात्र भारतीय फिल्म है जिसे पाल्मे डी जैसे प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजा गया था। अपने करियर की शुरूआत में ही मिली इस भारी सफलता ने कामिनी कौशल के फिल्मी सफर को नई दिशा दी थी।

कई सुपरहिट फिल्मों का हिस्सा रही थीं एक्ट्रेस

कामिनी कौशल ने अपने लंबे करियर में पुरानी क्लासिक फिल्मों से लेकर नई पीढ़ी की फिल्मों तक में शानदार उपस्थिति दर्ज कराई। वह नदिया के पार, आरजू, चेन्नई एक्सप्रेस, कबीर सिंह, लाल सिंह चड्ढा जैसी कई बड़ी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। भले ही उम्र के साथ उनकी फिल्में कम होती गई लेकिन कैमरे के सामने उनकी मासूमियत और सादगी हमेशा बरकरार रही।

कामिनी कौशल की लव लाइफ की हुई थी चर्चा

-कामिनी कौशल सिर्फ अपनी फिल्मों के लिए ही नहीं बल्कि अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में रही थीं। फिल्म शबनम की शूटिंग के दौरान उनकी और दिलीप कुमार की नजदीकियां बढ़ीं और दोनों के बीच प्रेम कहानी शुरू हुई।

-दिलीप कुमार का पहला सच्चा प्यार मानी जाने वाली कामिनी कौशल उस समय शादीशुदा थीं लेकिन एक्टर से उनका रिश्ता लंबे समय तक सुर्खियों में बना रहा था। बाद में इस रिश्ते पर विराम लगा और दिलीप कुमार ने सायरा बानो से निकाह कर लिया था।

फैंस और सेलेब्स ने एक्ट्रेस को दी श्रद्धांजलि

-कामिनी कौशल के निधन के बाद सोशल मीडिया पर फैंस कामिनी कौशल की यादें शेयर कर रहे हैं और उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं। कई सेलेब्रिटी ने भी उनके योगदान को याद करते हुए कहा कि कामिनी कौशल का जाना हिंदी सिनेमा के लिए अपूरणीय क्षति है।

-कामिनी कौशल ने अपने शानदार करियर और अभिनय के दम पर एक ऐसी विरासत छोड़ी है, जिसे सिनेमा प्रेमी लंबे समय तक याद रखेंगे। उनकी सरलता, सौम्यता और अभिनय के प्रति समर्पण उन्हें हमेशा खास बनाते रहेंगे।

जम्मू-कश्मीर की नगरोटा विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में 'कैलिफोर्निया रिटर्न' देवयानी राणा की जीत में पिता की मौत का खेला?

(जीएनएस)।

जम्मू-कश्मीर की नगरोटा विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में BJP की युवा उम्मीदवार देवयानी राणा ने धमाकेदार जीत दर्ज की। मात्र 30 साल की देवयानी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी उमर अब्दुल्ला की पार्टी JKNP के उम्मीदवार हर्ष देव सिंह को 24,647 वोटों के बड़े अंतर से पछाड़ दिया। यह जीत इसलिए भी खास है क्योंकि यह सीट देवयानी के पिता और दो बार के विधायक स्व. देवेंद्र सिंह राणा की कर्मस्थली थी।

पिता की मौत के ठीक एक साल बाद बेटी ने उसी सीट पर रिकॉर्ड मार्जिन से जीत हासिल की। आइए जानते हैं देवयानी राणा की जीत में पिता की मौत का क्या खेला? क्या है जाति?

कौन हैं देवयानी राणा?

उम्रः 30 साल

जातिः राजपूत (डोगरा रॉयल फैमिली से ताल्लुक रखने वाला प्रभावशाली राणा खानदान)

शिक्षाः अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, लॉस एंजिल्स (वउछअ) से इअ इकोनॉमिक्स (2016)

पार्टी पदः भाजपा जम्मू-कश्मीर युवा मोर्चा की उपाध्यक्ष (फरवरी 2025 में नियुक्त)

पेशाः बिजनेसवुमन और पॉलिटिशियन

देवयानी राणा की कुल संपत्ति कितनी? : ₹91 लाख+ (चुनावी हलफनामा 2025)

देवयानी राणा के परिवार में कौन-कौन?ः तीन भाई-बहनों में सबसे बड़ी। पिता स्व. देवेंद्र सिंह राणा (केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह के छोटे भाई), चाचा सुरजीत सिंह सलाठिया (पूर्व विधायक)

पिता की मौत बनी सबसे बड़ी सहानुभूति!

देवेंद्र सिंह राणा का 31 अक्टूबर 2024 को फरीदाबाद में लंबी बीमारी से निधन हो गया था। वह जम्मू की राजनीति में 'वॉयस ऑफ जम्मू' कहे जाते थे। पहले नेशनल कॉन्फ्रेंस के कद्दावर नेता और उमर अब्दुल्ला के करीबी रहे, लेकिन अनुच्छेद-370 हटने के बाद 2021 में ठउ छोड़ इखढ में शामिल हो गए थे। पिता के निधन के बाद देवयानी लगातार नगरोटा क्षेत्र के दौरे करती रहीं। नामांकन से पहले माता वैष्णो देवी के दर्शन किए - ठीक वैसे ही जैसे उनके पिता किया करते थे। चाचा सुरजीत सिंह सलाठिया ने प्रचार में कहा था, 'देवयानी को दुनिया की कोई ताकत नहीं हरा सकती।' अमेरिका से अर्थशास्त्र की डिग्री लेकर लौटीं देवयानी ने कभी सोचा भी नहीं था कि इतनी जल्दी राजनीति में इतनी बड़ी जिम्मेदारी मिलेगी। इखढ ने उन्हें युवा चेहरा और महिला कार्ड के तौर पर आगे किया। नतीजा जीत!

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि इस जीत में तीन फैक्टर मुख्य रहेः-

पिता की मौत से मिली भारी सहानुभूति

डोगरा राजपूत वोटों का एकतरफा समर्थनए भाजपा की मजबूत संगठन शक्ति और मोदी लहर

नगरोटा से देवयानी राणा की यह जीत जम्मू क्षेत्र में इखढ के बढ़ते दबदबे का नया अध्याय है। अब सबकी नजर इस बात पर है कि 30 साल की यह कैलिफोर्निया रिटर्न नेता आगे जम्मू-कश्मीर की राजनीति में कितना बड़ा रोल प्ले करती हैं।

बिहार में एनडीए की बंपर जीत के बाद किसानों के लिए बड़ा ऐलान, इस दिन खाते में आएंगे पीएम किसान के पैसे

(जीएनएस)।

पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 21वीं किस्त को लेकर किसानों के बीच उत्सुकता कई हफ्तों से बनी हुई थी। चुनावी माहौल, सरकारी बैठकों और लगातार बदलते अपडेट के बीच किसान यह जानना चाहते थे कि आखिर अगली किस्त कब आएगी। अब सरकार ने इंतजार खत्म करते हुए बड़ी घोषणा कर दी है। पीएम किसान की किस्त एक सप्ताह के अंदर किसानों के खाते में भेज दी जाएगी।

सरकार ने 21वीं किस्त की तारिक का ऐलान कर दिया है। पीएम किसान की 21वीं किस्त 19 नवंबर 2025 को किसानों के खातों में एक बार फिर 2,000 रुपये की किस्त ट्रांसफर होने जा रही है। खास बात यह है कि किस्त की तारीख के साथ सरकार ने रजिस्ट्रेशन और दस्तावेज अपडेट को लेकर भी नई सलाह जारी की है, ताकि कोई भी पात्र किसान किस्त से वंचित न रह जाए। इस घोषणा के बाद किसानों में राहत के साथ उम्मीद भी बढ़ गई है, क्योंकि यह किस्त रबी सीजन से पहले आने वाली है, जब किसानों को बीज, खाद और अन्य खर्चों के लिए पैसों की जरूरत पड़ती है।

पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 21वीं किस्त को लेकर किसानों का लंबा इंतजार अब समाप्त होने जा रहा है। सरकार ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर घोषणा की कि 19 नवंबर 2025 को किसानों के बैंक खातों में 2,000 रुपये की अगली किस्त भेजी जाएगी। यह जानकारी बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों वाले दिन साझा की गई, जिससे किसानों में उत्साह बढ़ गया। कई महीनों से किसान इस घोषणा का इंतजार कर रहे थे, क्योंकि पिछली किस्त के बाद से लगातार रजिस्ट्रेशन और वेरीफिकेशन संबंधी अपडेट सामने आ रहे थे।

सरकार ने रजिस्ट्रेशन की भी दी सलाह

किस्त की तारीख बताने के साथ ही सरकार ने रजिस्ट्रेशन से जुड़ा एक महत्वपूर्ण संदेश भी जारी किया। सरकार ने कहा कि जिन किसानों ने अभी तक रजिस्ट्रेशन या ई-केवाईसी पूरा नहीं किया है, वे जल्द से जल्द प्रक्रिया पूरी कर लें। इससे किस्त उनके खाते में बिना रुकावट पहुंच जाएगी। कई बार देखा गया है कि गलत जानकारी या अधूरे दस्तावेजों के कारण किस्त रुक जाती है, इसलिए सरकार लगातार समय-समय पर रजिस्ट्रेशन अपडेट करने की अपील करती रहती है।

एक्स पोस्ट में क्या थी जानकारी?

सरकार की ओर से जारी पोस्ट में स्पष्ट कहा गया, "पीएम-किसान की 21वीं किस्त का हस्तांतरण दिनांक- 19 नवंबर 2025। कृपया लिंक पर क्लिक करें और अभी रजिस्टर करें।" इसके साथ रजिस्ट्रेशन से जुड़े लिंक भी साझा किए गए, ताकि किसानों को बार-बार वेबसाइट ढूंढने की जरूरत न पड़े।

लाभार्थी सूची ऐसे देखें

अगर किसान यह जानना चाहते हैं कि उनका नाम लाभार्थी सूची में है या नहीं, तो इसके लिए एक आसान डिजिटल प्रक्रिया उपलब्ध है।

सबसे पहले पीएम किसान की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं

होमपेज पर मौजूद 'किसान कॉर्नर' सेक्शन पर क्लिक करें

यहां 'लाभार्थी सूची' का विकल्प चुनें

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

भगवान बिरसा मुंडा जयंती एवं जनजातीय गौरव सप्ताह का भावनगर मंडल में उत्साहपूर्वक आयोजन

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के पावन अवसर पर पूरे देश में 01 नवम्बर से 15 नवम्बर तक जनजातीय गौरव पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसी उपलक्ष्य में भावनगर मंडल में आज, दिनांक 14 नवम्बर 2025 को महान स्वतंत्रता सेनानी एवं जननायक भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती बड़े हर्षोल्लास, उत्साह एवं श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर मंडल सभागार में 'जनजातीय गौरव सप्ताह' अंतर्गत विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री हिमाँशु शर्मा की अध्यक्षता में हुआ। सर्वप्रथम भगवान बिरसा मुंडा जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके पश्चात उनके जीवन, संघर्ष एवं स्वतंत्रता संग्राम में अमूल्य योगदान पर आधारित प्रेरक वृत्तचित्र प्रदर्शित किया गया।

अपने संबोधन में अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री हिमाँशु शर्मा ने

कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने न केवल ब्रिटिश शासन के विरुद्ध संघर्ष कर आदिवासी समाज को एकजुट किया, बल्कि समाज सुधार एवं राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए भी विशिष्ट योगदान दिया। उनका सम्पूर्ण जीवन संघर्ष, आत्मसम्मान और देशभक्ति का प्रेरक प्रतीक है, जिससे वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों को निरंतर प्रेरणा मिलती रहेगी।

सेमिनार के दौरान वक्ताओं द्वारा भगवान बिरसा मुंडा के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान तथा आदिवासी समाज के उत्थान हेतु किए गए उनके कार्यों पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में उपस्थित कर्मचारियों को उनके जीवन पर आधारित एक प्रेरणादायी शॉर्ट फिल्म भी प्रदर्शित की गई।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में शाखा अधिकारीगण, कर्मचारीगण, ट्रेड यूनियन एवं एसोसिएशन के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम का सफल आयोजन वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री हुबलाल जगन के मार्गदर्शन में तथा सहायक कार्मिक अधिकारी (क) श्री वाई. राधेश्याम के समन्वय से किया गया। कार्यक्रम का संचालन कार्मिक विभाग के मुख्य कर्मचारी एवं कल्याण निरीक्षक श्री शैलेश कुमार परमार द्वारा किया गया।

साबरमती रेलवे स्टेशन पर वंदे मातरम प्रदर्शनी का आयोजन

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल द्वारा साबरमती रेलवे स्टेशन पर 'वंदे मातरम्' प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य भारत के स्वतंत्रता संग्राम, वीर स्वतंत्रता सेनानियों तथा राष्ट्रभक्ति की गौरवशाली परंपरा को जनझजन तक पहुँचाना है।

प्रदर्शनी में स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े दुर्लभ दस्तावेज, ऐतिहासिक चित्र, वीर सेनानियों के प्रेरक जीवन प्रसंग, देशभक्ति साहित्य तथा विभिन्न कलाझ कृतियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया है। विशेष आकर्षण के रूप में 'वंदे मातरम्' गीत की रचना, उसका ऐतिहासिक महत्व तथा उससे जुड़े प्रमुख प्रसंगों को सुंदर, प्रभावी व दर्शनीय रूप में प्रस्तुत किया गया है।

'वंदे मातरम्' केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, राष्ट्रप्रेम और मातृभूमि के प्रति समर्पण का अमर प्रतीक है। स्वतंत्रता संग्राम के दौर में इस गीत ने देशवासियों में अदम्य उत्साह, साहस और एकता का संचार किया। आज भी 'वंदे मातरम्' हमें राष्ट्र निर्माण और राष्ट्रहित में योगदान देने की प्रेरणा प्रदान करता है।

यह प्रदर्शनी देशभक्ति, इतिहास और संस्कृति से ओतझप्रोत अनुभव प्रदान करती है तथा सभी आयु वर्ग के आगंतुकों को भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की गौरवशाली गाथा से जोड़ने का उत्कृष्ट मंच सिद्ध हो रही है।

पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस एवं दुगार्पुरा के बीच चलाएगी स्पेशल ट्रेन

मुंबई,

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा अतिरिक्त यात्री यातायात की मांग को पूरा करने के उद्देश से बांद्रा टर्मिनस एवं दुगार्पुरा स्टेशन के बीच विशेष किराए पर एक स्̈ पेशल ट्रेन चलाई जाएगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार हैः

ट्रेन संख्या 09730/09729 बांद्रा टर्मिनस–दुगार्पुरा सुपरफास्ट स्पेशल [02 फेरे]

ट्रेन संख्या 09730 बांद्रा टर्मिनस–दुगार्पुरा सुपरफास्ट स्पेशल सोमवार, 17 नवंबर, 2025 को बांद्रा टर्मिनस से 10:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 05:30 बजे दुगार्पुरा पहुँचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09729 दुगार्पुरा–बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल रविवार, 16 नवंबर, 2025 को दुगार्पुरा से 12:25 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 07:00 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, नवसारी, सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, नागदा, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा, सवाई माधोपुर और बनस्थली निवाई स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी–2 टियर, एसी–3 टियर, स्लीपर क्̈ लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 09730 की बुकिंग 15 नवम्बर, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

राजकोट–पोरबंदर ट्रेन को माननीय मंत्री श्री मनसुख मांडविया एवं श्री अर्जुन मोढवाडिया ने हरी झंडी दिखाकर किया शुभारंभ

डॉ. मनसुख मांडविया, माननीय केंद्रीय श्रम, रोजगार, युवा मामले और खेल मंत्री, भारत सरकार, श्री अर्जुनभाई मोढवाडिया, माननीय मंत्री वन एवं पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी झ गुजरात सरकार एवं राजकोट के कार्यक्रम में उपस्थित अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा 14 नवम्बर, 2025 (शुक्रवार) को राजकोट रेलवे स्टेशन से राजकोट–पोरबंदर के बीच चलने वाली शुरूआती स्पेशल ट्रेन (क्ल्लं४४१' रस्स्रूं') को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया गया।

भावनगर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने बताया की ट्रेन नंबर 09561 राजकोट–पोरबंदर शुरूआती स्पेशल, राजकोट स्टेशन से सुबह 10.30 बजे चली। डॉ. मनसुख मांडविया, माननीय केंद्रीय श्रम, रोजगार, युवा मामले और खेल मंत्री, भारत सरकार, श्री अर्जुनभाई मोढवाडिया, माननीय मंत्री वन एवं पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी झ गुजरात सरकार एवं अन्य महानुभावों ने राजकोट–पोरबंदर शुरूआती स्पेशल

में राजकोट से बैठकर पोरबंदर तक की यात्रा की। राजकोट–पोरबंदर सेक्शन के बीच आने वाले भावनगर मंडल के सभी स्टेशनों पर डॉ. मनसुख मांडविया, माननीय केंद्रीय श्रम, रोजगार, युवा मामले और खेल मंत्री, भारत सरकार, श्री अर्जुनभाई मोढवाडिया, माननीय मंत्री वन एवं पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी झ गुजरात सरकार का स्थानीय प्रतिनिधियों एवं आम जनता द्वारा स्वागत किया गया तथा ट्रेन चलने की खुशी व्यक्त की गई एवं आभार प्रकट किया गया ।

राजकोट - पोरबंदर ट्रेन के शुभारंभ कार्यक्रम में माननीय राज्यसभा सांसद श्री रामभाई मोकरिया, माननीय सांसद राजकोट श्री परशोत्तम रुपाला, माननीया सांसद जामनगर श्रीमती पूनमबेन माडम, जिला अध्यक्ष पोरबंदर (भाजपा) श्रीमती चेतनाबेन तिवारी, जिला पंचायत अध्यक्ष पोरबंदर श्री पर्वतभाई परमार, जिला प्रभारी पोरबंदर श्री प्रदीपभाई खेमानी एवं अन्य गणमान्य अतिथि शामिल हुए।

भावनगर मंडल के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में माननीय मंत्री श्री मनसुख मांडविया जी और श्री अर्जुनभाई मोढवाडिया जी ने उपस्थित यात्रियों एवं आम जनता को संबोधित किया।

भावनगर रेलवे मंडल पर ट्रेन के स्वागत का मुख्य कार्यक्रम पोरबंदर रेलवे स्टेशन पर संपन्न हुआ। इस अवसर पर पोरबंदर रेलवे स्टेशन पर मुख्य अतिथीगण के साथ अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इनके अलावा मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा एवं उनकी टीम तथा रेलयात्री, आम जनता एवं मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित थे।

ट्रेन नंबर 59561 राजकोट–पोरबंदर पैसेन्जर दैनिक 15.11.2025 से प्रतिदिन नियमित रूप से अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी। यह ट्रेन राजकोट स्टेशन से सुबह 8.35 बजे प्रस्थान करेगी एवं 13.15 बजे पोरबंदर स्टेशन पहुंचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन नंबर 59562 पोरबंदर–राजकोट पैसेन्जर दैनिक 15.11.2025 से प्रतिदिन नियमित रूप से अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी। यह ट्रेन पोरबंदर से 14.30 बजे प्रस्थान करेगी एवं 18.55 बजे राजकोट स्टेशन पहुंचेगी।

ट्रेन नंबर 59564 पोरबंदर–राजकोट पैसेन्जर (सप्ताह में 5 दिन, गुरूवार और रविवार को छोड़कर) ट्रेन 15.11.2025 से पोरबंदर स्टेशन से सुबह 7.50 बजे प्रस्थान करेगी एवं 12.35 बजे राजकोट स्टेशन पहुंचेगी।

इसी प्रकार, ट्रेन नंबर 59563 राजकोट–पोरबंदर पैसेन्जर (सप्ताह में 5 दिन, बुधवार और शनिवार को छोड़कर) ट्रेन 16.11.2025 से राजकोट स्टेशन से दोपहर 14.50 बजे प्रस्थान करेगी एवं 20.30 बजे पोरबंदर स्टेशन पहुंचेगी।

उपरोक्त सभी ट्रेनें अपनी यात्रा के दौरान भक्तिनगर, रीबडा, गोंडल, वीरपुर, नवागढ़, जेतलसर, धोराजी, उपलेटा, पानेली मोटी, जाम जोधपुर, बालवा, काटकोला, वांसजालिया और राणावाव स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में रूकेंगी।

जगुदन स्टेशन पर इंजीनियरिंग कार्य हेतु ब्लॉक के कारण कुछ ट्रेनें प्रभावित रहेगी

पश्चिम रेलवे अहमदाबाद मण्डल के जगुदन स्टेशन यार्ड में 16.11.2025 (रविवार) को ब्रिज संख्या 982 के पुनर्निर्माण कार्य के संबंध में ब्लॉक लिया जा रहा है। जिसके कारण कुछ ट्रेनें प्रभावित रहेगी। जो निम्नानुसार हैः–

आंशिक रद्द ट्रेनें:

1. दिनांक 16.11.2025 की ट्रेन संख्या 20959/20960 वलसाड–वडनगर–वलसाड एक्सप्रेस वडनगर और गांधीनगर कैपिटल के बीच आंशिक निरस्त रहेगी।
2. दिनांक 16.11.2025 की ट्रेन संख्या 14821 जोधपुर–साबरमती एक्सप्रेस साबरमती–आबूरोड के बीच तथा दिनांक 17.11.2025 की ट्रेन संख्या 14822 साबरमती–जोधपुर एक्सप्रेस आबूरोड–साबरमती के बीच आंशिक निरस्त रहेगी।

रिशेड्यूल ट्रेनें:

1. दिनांक 16.11.2025 की ट्रेन संख्या 20485 जोधपुर–साबरमती एक्सप्रेस जोधपुर से 2 घंटे रिशेड्यूल होगी।
2. दिनांक 16.11.2025 की ट्रेन संख्या 69207 गांधीनगर कैपिटलझ वरेठा मेमू गांधीनगर कैपिटल से 01 घंटा रिशेड्यूल होगी।

बांद्रा टर्मिनस–बरौनी एक्सप्रेस पिपराइच स्टेशन पर नहीं रुकेगी

मुंबई, 14 नवंबर, 2025

पूर्वोत्तर रेलवे के पिपराइच स्टेशन पर चल रहे नॉन–इंटरलॉकिंग कार्य के कारण 16 नवंबर, 2025 को बांद्रा टर्मिनस से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19037 बांद्रा टर्मिनस–बरौनी एक्सप्रेस पिपराइच स्टेशन पर नहीं रुकेगी। इसी प्रकार, 18 नवंबर, 2025 को बरौनी से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19038 बरौनी–बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस पिपराइच स्टेशन पर नहीं रुकेगी।

यात्रियों से अनुरोध है कि वे उपर्युक्त परिवर्तन को ध्यान में रखकर यात्रा करें।

अक्टूबर माह में वडोदरा मंडल की उपलब्धियां

ऑटो ट्रेक्टर का हुआ पहली बार लदान, टिकट चेकिंग में ₹2.22 करोड़ की अब तक की सर्वोच्च वसूली

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल ने अक्टूबर माह में यात्री सेवा, माल लदान,टिकट जांच, संरक्षा, यात्री सुविधाओं आदि के क्षेत्रों में प्रभावशाली प्रदर्शन हासिल किया। ये उपलब्धियां पश्चिम रेलवे के के वडोदरा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके के गतिशील नेतृत्व और बहुमूल्य मार्गदर्शन में संभव हुई हैं।

वडोदरा मंडल द्वारा दिवाली और छठ पूजा के त्योहारी सीजन के दौरान यात्रियों की सुविधा और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक प्रबंध किए गए। मंडल द्वारा परिचालित नियमित एवं 6 स्पेशल ट्रेनों के 19 फेरों के जरिये लगभग 30 लाख से ज्यादा यात्रिओं ने उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल में अपने गंतव्य तक यात्रा की है। वडोदरा मंडल द्वारा

मऊ , गोरखपुर , कोलकत्ता , कटिहार ,जयनगर और समस्तीपुर के लिए स्पेशल ट्रेनें चलायी गयी।

नियमित ट्रेनों के साथ साथ स्पेशल ट्रेनों का परिचालन मंडल के लिए चुनौती रहा, इन परिस्थितिओं में भी अक्टूबर माह में मंडल में ट्रेनों की समयपालनता 91. 73 प्रतिशत रही। वडोदरा मार्शलिंग यार्ड से पहली बार कर्नाटक राज्य के क्यारकोप के लिए ऑटो ट्रेक्टर का लदान कर सफलता पायी गयी।

अक्टूबर माह में मंडल ने माल लदान के क्षेत्र में 1. 29 टळ का माल लदान हासिल किया तो वही यात्री राजस्व के क्षेत्र में 56.24 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया गया।

वडोदरा मंडल के वाणिज्य विभाग के टिकट जांच कर्मचारियों की सतर्कता और मेहनत के परिणामस्वरूप ₹2.22 करोड़ की अब तक की सर्वोच्च वसूली दर्ज की गई है, जो नवंबर 2021 के पिछले रिकॉर्ड ₹1.94 करोड़ को पार कर गई है।

मंडल के लिए संरक्षा सर्वोपरि है , 41 रेल कर्मियों को सुरक्षित ट्रेन परिचालन में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए सम्मानित किया। इन रेल कर्मियों को ड्यूटी के दौरान उनकी सजगता एवं सतर्कता के कारण अप्रिय घटनाओं को रोकने में उनके योगदान के लिए प्रमाण–पत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया।

ट्रेन परिचालन में विफलताओं को कम करने और संरक्षा में वृद्धि के लिए मल्टी सेक्शन एक्सल काउंटर को सायन यार्ड में लगाया गया है। साथ ही महेमदाबाद स्टेशन के एलसी गेट संख्या 290 पर इलेक्ट्रिकल लिफ्टिंग बैरियर के प्रतिस्थापन कार्य को पूरा किया गया।

विश्वामित्रीझजोगट सेक्शन के प्रतापनगरझडभोई स्टेशनों के बीच क्रॉसिंग सुविधा प्रदान करने और 'ऊं' श्रेणी स्टेशन को 'इ' श्रेणी स्टेशन में अपग्रेड करने के कार्य के तहत, कुंडेला स्टेशन पर नया सेंट्रलाइज्ड इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग कमीशन कर दिया गया है।

पश्चिम रेलवे का रविवार, 16 नवम्बर, 2025 को बोरीवली और राम मंदिर स्टेशनों के बीच जम्बो ब्लॉक

मुंबई, रेलपथ, सिगनलिंग प्रणाली तथा ऊपरी उपस्करों के रख–रखाव हेतु पश्चिम रेलवे द्वारा रविवार, 16 नवम्̈ बर, 2025 को 10:00 बजे से 15:00 बजे तक बोरीवली और राम मंदिर स्टेशनों के बीच अप फास्ट लाइन पर तथा राम मंदिर एवं गोरेगांव स्टेशनों के बीच डाउन फास्ट लाइन पर पांच घंटे का जम्बो ब्लॉक लिया जायेगा।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार ब्लॉक के दौरान अप फास्ट लाइन की सभी ट्रेनें बोरीवली और अंधेरी स्टेशनों के बीच अप स्लो लाइन पर चलाई जाएंगी। इसी प्रकार, डाउन फास्ट लाइन की सभी ट्रेनें अंधेरी और गोरेगांव स्टेशनों के बीच डाउन स्लो लाइन पर चलाई जाएंगी।

ब्लॉक के कारण कुछ अप एवं डाउन उपनगरीय ट्रेनें निरस्̈ त रहेंगी तथा कुछ अंधेरी और बोरीवली ट्रेनें हार्बर लाइन पर गोरेगांव तक चलाई जाएंगी।

इस ब्लॉक की विस्तृत जानकारी स्टेशन मास्टरों के पास उपलब्ध है। यात्रियों से अनुरोध है कि वे यात्रा प्रारम्भ करते समय उपरोक्त व्यवस्था को ध्यान में रखें।

आईपीएल 2026 से पहले क्या दिल्ली कैपिटल्स को छोड़ देंगे केएल राहुल? ऑक्शन से पहले दिग्गज का बड़ा दावा

(एजेंसी)।

आईपीएल 2026 की रिटेंशन डेडलाइन 15 नवंबर से पहले कई खिलाड़ियों को लेकर सस्पेंस बना हुआ है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना और इरफान पठान ने कई फ्रेंचाइजियों की संभावित रणनीति पर अपनी राय दी है। रैना का मानना है कि दिल्ली कैपिटल्स के लिए केएल राहुल को रिलीज करने का विचार भी करना मुश्किल है, जबकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद को बड़े बदलाव करने पड़ सकते हैं।

केएल राहुल नहीं छोड़ेंगे दिल्ली

सुरेश रैना ने कहा कि पिछले सीजन यानी आईपीएल 2025 में दिल्ली में शामिल हुए केएल राहुल टीम की 'रीढ़ की हड्डी' हैं। राहुल ने 13 पारियों में लगभग 150 के स्ट्राइक रेट से 539 रन बनाए थे, जिसमें एक शतक भी शामिल था। रैना ने तर्क दिया कि एक टी20 बल्लेबाज के रूप में वह आपको एक ठोस बल्लेबाज और एक विकेटकीपर दोनों देते हैं। मुझे नहीं लगता कि राहुल दिल्ली छोड़ेंगे वह टीम की रीढ़ हैं।

आरसीबी पर बोझ बन चुके हैं ये खिलाड़ी

जियोस्टार पर बात करते हुए इरफान पठान ने बताया कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को कुछ मुश्किल निर्णय लेने होंगे। पठान ने लियम लिविंगस्टोन पर सवाल उठाया, जिन्हें भारी कीमत पर खरीदा गया था। उन्होंने कहा कि उन्होंने सिर्फ 112 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट 133 था। उनका प्रदर्शन इतनी बड़ी कीमत को सही नहीं ठहराता। पठान ने यह भी सुझाव दिया कि फ्ढइ 6 करोड़ वाले रसिक सलाम को रिलीज करके नीलामी में कम कीमत पर वापस लेने की कोशिश कर सकती है।

हैदराबाद की टीम में सुधार की जरूरत

हालांकि, रैना का मानना है कि फ्ढइ की टीम काफी संतुलित है और वे शायद ही कोई बड़ा बदलाव करेंगे। पिछले सीजन में शानदार शुरूआत करने वाली सनराइजर्स हैदराबाद (रफ्ल्ल) को लेकर भी रैना और पूर्व ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज मैथ्यू हेडन ने अपनी राय दी। रैना ने कहा कि रफ्ल्ल को एक समझदार मध्यक्रम बल्लेबाज की जरूरत है। उन्होंने कहा कि ईशान किशन ने शुरूआत में अच्छा प्रदर्शन किया, फिर उनके पास हेनरिक क्लासेन हैं। नीतीश कुमार रेड्डी को प्रदर्शन में सुधार करना होगा, क्योंकि टीम उन पर बहुत भरोसा कर रही है।

प्रशांत किशोर के दावे ध्वस्त, हुआ बहुजन समाज पार्टी से भी बुरा हाल, वोट प्रतिशत देख पीके पीट लेंगे माथा!

(एजेंसी)।

बिहार में इस बार का चुनाव सिर्फ नेताओं और पार्टियों की टक्कर नहीं था, बल्कि एक ऐसे चेहरे की परीक्षा भी था। जिसने पिछले कई सालों में देश की राजनीति की दिशा बदलने में बडी भूमिका निभाई थी। प्रशांत किशोर, वही ढङ, जिन्होंने देश के कई राज्यों में राजनीतिक रणनीति लिखी, कई नेताओं को सत्ता दिलाई और खुद को चुनाव जीत का मास्टरमाइंड साबित किया।

लेकिन जब बात अपने राज्य बिहार की आई, जहां वे दावा करते रहे कि लोग बदलाव चाहते हैं, नई राजनीति चाहते हैं, और जनसुराज उस बदलाव की शुरूआत है। वहीं जनता ने उनके लिए दरवाजे लगभग बंद कर दिए। ढङ ने 1280 दिनों तक बिहार की धूल खाई, गांव–गांव पैदल घूमे, हजारों सभाएं कीं, अपने खर्च से 98 करोड़ रुपये पार्टी को दान किए, 1300 प्रोफेशनल्स की टीम बनाई, और बार–बार कहा कि "2025 में बिहार इतिहास बनाएगा।"

इतिहास तो बना, बस ढङ की उम्मीदों के उलट। जिन दावों को वे सौ बार दोहराते रहे, जनता ने एक झटके में नकार दिया। नतीजों में जनसुराज का खाता तक नहीं खुला, और प्रदर्शन ऐसा कि अक्टक्ट व इरढ जैसी पार्टियां भी उससे आगे निकल गईं। यह चुनाव न सिर्फ राजनीतिक मुकाबला था, बल्कि यह भी दिखा गया कि रणनीतिकार होना और जननेता होना–दोनों बिल्कुल अलग बातें हैं।

एक भी सीट नहीं जीती जनसुराज पार्टी

चुनाव मैदान में उतरते समय जनसुराज पार्टी ने 1 करोड से ज्यादा सदस्यों का दावा किया था। कहा गया था कि यह बिहार की सबसे बडी जन आंदोलन आधारित पार्टी है। पर नतीजों में पार्टी को 10 लाख वोट भी नहीं मिले। 238 सीटों पर उम्मीदवार उतारे गए, जिनमें से 233 की जमानत जब्त हो गई है। किसी भी सीट पर उनके उम्मीदवार बढ़त तक नहीं बना पाए। यह 98 परसेंट सीटें हैं। पार्टी को कुल वोट का 1 परसेंट भी हासिल नहीं हुआ। मायावती की बसपा, जिसे बिहार में बड़ी ताकत नहीं माना जाता, उसने भी इससे ज्यादा वोट लिया और उसका वोट शेयर 1.52 परसेंट रहा।

सबसे बुरा प्रदर्शन ढङ के अपने घर में

प्रशांत किशोर रोहतास जिले से आते हैं, जहां सात विधानसभा सीटें हैं। इन सभी सीटों पर जनसुराज उम्मीदवार अपनी जमानत बचाने में भी असफल रहे। उनकी अपनी विधानसभा करगहर में पार्टी को सिर्फ 3 परसेंट वोट मिले। यह बताता है कि लोकल स्तर पर भी ढङ की स्वीकार्यता नहीं बन पाई।

अक्टक्ट और इरढ का प्रदर्शन बेहतर

जहां जनसुराज का खाता भी नहीं खुला, वहां AIMIM ने 28 सीटों पर चुनाव लड कर 2 परसेंट वोट शेयर हासिल किया और 5 सीटें जीतता दिख रहा है। BSP ने 181 सीटों पर चुनाव लडा और उसे 1.5 परसेंट वोट के साथ एक सीट मिल रही है। दोनों पार्टियों ने जनसुराज से बेहतर प्रदर्शन किया।

1280 दिन की पदयात्रा, 6000 ङ्ट की यात्रा, नतीजा फिर भी शून्य

जनसुराज ने दावा किया कि पार्टी बनाने से पहले PK ने 5 मई 2022 से 2 अक्टूबर 2024 तक 6 हजार किलोमीटर की पदयात्रा की। 5 हजार गांवों में गए, हजारों सभाएं कीं। PK ने पूरे कैंपेन में हेलिकॉप्टर का इस्तेमाल नहीं किया, रोज सडक से 200 KM का सफर तय किया और रोज 8 से 10 विधानसभा क्षेत्रों में पहुंचे। इतनी मेहनत के बावजूद जनता ने उन्हें विकल्प नहीं माना।

पार्टी को अकेले 98 करोड का चंदा दिया PK ने

सितंबर में PK ने बताया कि उन्होंने सलाहकार काम से 3 साल में 241 करोड रुपये कमाए और इसी में से 98 करोड रुपये अपनी पार्टी को दान दिए। इतने पैसे और बडी प्रोफेशनल टीम के बावजूद जनता को पार्टी पर भरोसा नहीं हुआ।

जनसुराज को चलाने के लिए ढङ ने खरढळ नाम की कंसल्टेंसी कंपनी बनाई। इसमें IT प्रोफेशनल्स, पूर्व पत्रकार, सोशल वर्कर और कई विशेषज्ञ शामिल हैं। 38 जिलों में 25 से ज्यादा टीमें काम कर रहीं थीं। हर जिले में DI, DPoC और हर विधानसभा में ऊढफमौजूद थे। इतनी बडी मशीनरी के बावजूद पार्टी जन समर्थन नहीं जुटा सकी।

राहुल गांधी ने जहां पर तालाब में कूद कर पकड़ी थी मछली, वहां कांग्रेस उम्मीदवार का क्या हुआ हाल?

(जीएनएस)।

:बिहार विधानसभा चुनाव भाजपा के प्रतिनिधित्व वाले एनडीए गठबंधन ने प्रचंड जीत हासिल की है वहीं विपक्षी महागठबंधन को करारी हार का सामना करना पड़ा है। बिहार चुनाव प्रचार के दौरार ककांग्रेस नेता राहुल गांधी का तालाब में कूद कर मछली पकड़ने वाले वीडियो ने खूब सुर्खिया बटोरी थी।

राहुल गांधी जनसभा को संबोधित करने के बाद बेगुसराय में वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी और कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार के साथ एक तालाब पहुंचे थे और उसी दौरान राहुल गांधी ने मछुआरों से बात करते हुए अपनी टी-शर्ट और पैंट पहने ही मछली पकड़ने के लिए तालाब में छलांग लगा दी थी और अनोखे अंदाज में मछली पकड़ कर वोटरों को रिझाने की कोशिश की थी लेकिन इस सीट पर महागठबंधन और कांग्रेस के लिए ये नतीजे चौंकाने वाले साबित हुए हैं।

बेगुसराय में 'वोट' को साधने के लिए राहुल गांधी तालाब में कूदे थे, वहीं पर कांग्रेस और महागठबंधन की लुटिया बुरी तरह से डूब गई है। कांग्रेस को बिहार के बेगूसराय विधानसभा क्षेत्र में करारी हार मिली है। राहुल गांधी के हाई-प्रोफाइल प्रचार अभियान के बावजूद पार्टी मतदाताओं को लुभाने में विफल रही।

कांग्रेस को 31 हजार वोटों के अंतर से मिली करारी हार

बेगूसराय विधानसभा सीट पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कुंदन कुमार ने बड़ी जीत हासिल की है। उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार अमिता

सिंह को हराकर यह सीट अपने नाम की। यहां पर इस सीट पर पहले चरण में 6 नवंबर को मतदान हुआ था। कांग्रेस उम्मीदवार अमिता भूषण बीजेपी प्रत्याशी कुंदन कुमार से लगभग 31,000 वोटों के बड़े अंतर से चुनाव हार गईं।

क्यों बेहद खास है बेगुसराय सीट?

बेगूसराय विधानसभा सीट को बिहार का एक महत्वपूर्ण औद्योगिक और वित्तीय केंद्र माना जाता है। यह जिला मुख्यालय के साथ-साथ एक विधान सभा क्षेत्र भी है। 1951 में स्थापित इस सीट में बरौनी थर्मल पावर प्लांट और हिंदुस्तान फर्टिलाइजर एंड केमिकल्स लिमिटेड जैसी बड़ी औद्योगिक इकाइयाँ शामिल हैं। यह सीट बिहार के 38 जिलों में से एक है, जहाँ कांग्रेस, आम आदमी पार्टी (आप), भाजपा और जन सुराज पार्टी के उम्मीदवारों के बीच मुकाबला हुआ।

बिहार चुनाव में मिली प्रचंड जीत के बाद मोदी की ललकार, बोले- बंगाल से होगा जंगलराज का अंत

बिहार चुनाव में मिली प्रचंड जीत के बाद मोदी की ललकार, बोले- बंगाल से होगा जंगलराज का अंत

भाजपा की भविष्यवाणी सच निकली

जब राहुल गांधी तालाब में मछली पकड़ने के लिए ताबाल में उतरे थे तो अनुमान लगाया गया था कि वे सियाली पिच पर सहनी वोटरों को अपनी ओर आकर्षित करना चाहते थे। एनडीए के कुछ नेताओं ने इस घटना को चुनावी लाभ के लिए महज एक ड्रामा करार दिया था। राहुल गांधी के विरोधियों ने तब तंज कसते हुए कहा था कि "राहुल गांधी ने जितनी मछली पकड़ी है, उनकी पार्टी को चुनावों में उससे भी कम वोट मिलेंगे।"

बेगुसराय सीट पर भाजपा की लगातार दूसरी जीत

वर्ष 2020 में भाजपा के कुंदन कुमार ने 74,217 वोट प्राप्त कर कांग्रेस की अमिता भूषण (69,663 वोट) और निर्दलीय राजेश कुमार (18,002 वोट) को हराया था। कुंदन कुमार ने 4,554 मतों के अंतर से यह सीट जीती थी। वहीं इस बार फिर भाजपा ने जीत हासिल की है।

2015 में कांग्रेस ने मारी थी बाजी

2015 के चुनाव में कांग्रेस की अमिता भूषण ने भाजपा के सुरेंद्र मेहता को मात दी थी। अमिता भूषण को 83,521 वोट मिले थे, जबकि सुरेंद्र मेहता के खाते में 66,990 वोट आए थे। कांग्रेस ने 16,531 मतों के अंतर से यह सीट जीती थी। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राजेंद्र प्रसाद को 5,593 वोट मिले थे।

यूपी: बुजुर्गों को घर बैठे वृद्धावस्था पेंशन देगी योगी सरकार, 60 साल पूरा होते ही खाते में आने लगेगा धन

लखनऊ (जीएनएस)। यूपी में वृद्धावस्था पेंशन के लिए बुजुर्गों को अब भटकना नहीं पड़ेगा। सरकार उन्हें घर बैठे पेंशन मुहैया कराएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई कैबिनेट बैठक में 20 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

उत्तर प्रदेश कैबिनेट ने राज्य में वृद्धावस्था पेंशन को लेकर एक बड़ा निर्णय लिया है। अब पात्र वरिष्ठ नागरिकों को पेंशन के लिए अलग से आवेदन करने की आवश्यकता नहीं होगी। समाज कल्याण मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने बताया कि फैमिली आईडी 'एक परिवार-एक पहचान' प्रणाली से पात्र लाभार्थियों का स्वतः चिन्हीकरण होगा और उनकी सहमति मिलने पर पेंशन सीधे स्वीकृत की जाएगी। वर्तमान में 67.50 लाख वरिष्ठ नागरिक इस योजना का लाभ ले रहे हैं, लेकिन बड़ी संख्या में ऐसे लोग भी हैं जो प्रक्रिया पूरी न कर पाने के कारण पेंशन से बाहर रह जाते हैं। नया फैसला इसी समस्या को हल करने पर केंद्रित है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई कैबिनेट बैठक में 20 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

बैठक के बाद फैसले की जानकारी देते हुए समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने कहा कि नई व्यवस्था में फैमिली आईडी के आधार पर उन

नागरिकों की सूची स्वतः तैयार होगी, जिनकी आयु अगले 90 दिनों में 60 वर्ष होने जा रही है। यह सूची एपीआई के माध्यम से समाज कल्याण विभाग के पेंशन पोर्टल पर भेजी जाएगी। विभाग सबसे पहले एसएमएस, व्हाट्सऐप और फोन कॉल जैसे डिजिटल माध्यमों से पात्र नागरिकों से सहमति लेगा। जिनकी सहमति डिजिटल रूप से नहीं मिलेगी, उनसे ग्राम पंचायत सहायक, कॉमन सर्विस सेंटर या विभागीय कर्मचारी भौतिक रूप से संपर्क करेंगे। दोनों स्तरों पर सहमति न मिलने पर ऐसे नाम प्रक्रिया से हटा दिए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि सहमति मिलने के बाद योजना अधिकारी 15 दिनों के भीतर डिजिटल सिग्नेचर के माध्यम से पेंशन स्वीकृत करेंगे और स्वीकृति पत्र लाभार्थी को डाक से भेजा जाएगा। भुगतान सीधे आधार-लिंक्ड बैंक खाते में किया जाएगा और हर किस्त की जानकारी एसएमएस द्वारा उपलब्ध होगी। सरकार एक मोबाइल ऐप भी उपलब्ध कराएगी, जिसमें लाभार्थी पासबुक की तरह अपने सभी भुगतान देख सकेंगे।

बैठक में राजस्व विभाग में कानूनगो के चपरासी (चैन मैन) को लेखपाल के पद पर पदोन्नति देने के लिए उप्र लेखपाल सेवा नियमावली (पंचम संशोधन) 2025 को मंजूरी दे दी है। इसके तहत विभाग में दो फीसदी आरक्षण देने के साथ ही लेखपाल पद पर प्रमोशन को मंजूरी दे दी गई है।

बैठक में न्यायिक सेवा से जुड़े दो प्रस्तावों को सहमति दी गई है। बैठक में अपर निजी सचिव के 156 पदों पर निजी सचिव के ग्रेड वन पर प्रमोट करने पर सहमति बनी। इससे सरकार पर 10 करोड़ रुपये का सालाना का व्यय भार पड़ेगा।

वहीं, एक अन्य प्रस्ताव में उच्चतर न्यायिक सेवा के अधिकारियों को कार खरीदने के लिए सरकार की ओर से अधिक कर्ज देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है।

इसके अलावा, कैबिनेट बैठक में विश्वकप जीतने पर महिला क्रिकेट टीम को बधाई दी गई है

बिहार की वो सीटें जहां कुछ वोटों ने पलट दिया खेल

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के परिणाम आ चुके हैं। जिसमें राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) 196 सेअधिक सीटों पर प्रचंड जीत हासिल की है। वहीं तेजस्वी यादव के प्रतिनिधित्व वाला महागठबंधन 45 से भी कम सीटों पर सिमट कर रह गया है।

बिहार की कई ऐसी सीटें हैं, जिन पर एनडीए गठबंधन के उम्मीदवारों ने महागठबंधन के उम्मीदवारी को रिकॉर्ड मतों से पछाड़ कर जीत हासिल की है। वहीं कई ऐसी सीटें हैं जहां पर उम्मीदवारों ने चंद वोटों के अंतर से अपनी जीत सुनिश्चित की है। जानिए वो कौन सी सीटें और उम्‍मीदवार है जो चंद वोटों के अंतर से जीत कर विधायक की कुर्सी पर काबिज हुए हैं।

सबसे कम वोटों के अंतर से जीती जेडीयू

संदेश सीट- JDU (सबसे कम मार्जिन)

विजेता: रामचरण साह (JDU)

वोट: 80,598

दूसरे नंबर पर: दीपू सिंह (RJD) -

वोट: 80,571

मार्जिन: 27 वोट

जनसुराज के उम्मीदवार राजीव रंजन राज को 6,040 वोट (वोट-कटवा भूमिका निभाई)।

अगर जनसुराज उम्‍मीदवार चुनाव मैदान में नहीं होता तो ये सीट एनडीए इस सीट पर हार भी सकती थी।

अगिआंव विधानसभा सीट -

इखढ

विजेता: महेश पासवान (BJP) - 69,412

दूसरे: शिव प्रकाश रंजन (CPI-टछ)

मार्जिन: 95 वोट

ढाका विधानसभा सीट (RJD)

विजेता: फैसल रहमान (फ्खऊ) - 112,727

दूसरे: पवन कुमार जायसवाल (BJP) - 112,549

मार्जिन: 178 वोट

फारबिसगंज विधानभा सीट (कांग्रेस)

विजेता: मनोज विश्वास (INC) - 120,114

दूसरे: विद्या सागर केशरी (इखढ) - 119,893

मार्जिन: 221 वोट

बलरामपुर विधानसभा सीट LJP (रामविलास)

विजेता: संगीता देवी छखढ (रामविलास)- 80,459

दूसरे: मोहम्मद आदिल हुसैन (AIMIM)

मार्जिन: 389 वोट

चनपटिया विधानसभा सीट (कांग्रेस)

विजेता: अभिषेक रंजन - 87,538

दूसरे: उमाकांत सिंह (BJP) - 86,936

मार्जिन: 602 वोट

बोधगया विधानसभा सीट (RJD)

विजेता: कुमार सर्वजीत (फ्खऊ)- 100,236

दूसरे: श्यामदेव पासवान (LJP-R) - 99,355

मार्जिन: 881 वोट

बख्तियारपुर विधानसभा सीट- LJP (रामविलास)

विजेता: अरुण कुमार LJP (रामविलास)- 88,520

दूसरे: अनिरुद्ध कुमार (RJD) - 87,539

मार्जिन: 981 वोट

इसके अलावा जहानाबाद, नबीनगर और रामगढ़ सीटों पर भी उम्मीदवारों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला, जहां जीत का अंतर बहुत कम था।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 : सिर्फ इस एक्सिट पोल का दावा हुआ सच, कौन थे और क्या था उनका गणित?

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की मतगणना में NDA ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है, जो वर्तमान रुझानों के अनुसार 205 सीटों के प्रचंड बहुमत की ओर बढ़ रही है। नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले NDA ने विपक्षी महागठबंधन को महज 33 सीटों पर समेट दिया है, जिससे यह चुनाव परिणामों की दृष्टि से एकतरफा साबित हुआ है।

अधिकांश एग्जिट पोल के अनुमानों के विपरीत, सिर्फ एक एजेंसी Poll DiÔry का दावा सच साबित हुआ। Poll DiÔry ने अपने एग्जिट पोल में NDA को 184 से 209 सीटें मिलने का अनुमान लगाया था, जो मतगणना के वास्तविक रुझानों के काफी करीब है। इस अभूतपूर्व प्रदर्शन ने चिराग पासवान की LJP(RV) को 'फिनिशर' की भूमिका में ला दिया है, जिसने गठबंधन की जीत में अहम योगदान दिया।

Poll Diary का दावा (एग्जिट पोल)

NDA (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन): 184 से 209 सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया था, जो प्रचंड बहुमत का स्पष्ट संकेत था।

महागठबंधन: इस गठबंधन को सबसे बड़ा झटका देते हुए मात्र 32 से 49 सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया था।

वास्तविक रुझान

NDA (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन): मतगणना के वर्तमान रुझानों के अनुसार, NDA को लगभग 205 सीटें मिलती हुई दिखाई दे रही हैं। यह Poll DiÔry द्वारा दिए गए अधिकतम अनुमान (209) के बहुत करीब है।

महागठबंधन: महागठबंधन (RJD+INC+वामदल) को लगभग 33 सीटों पर सिमटते हुए देखा गया है, जो एजेंसी के न्यूनतम अनुमान (32) के बिलकुल पास है।

मुकेश सहनी की VIP को बड़ा झटका

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में NDA की प्रचंड बहुमत के सामने, मुकेश सहनी के 'डिप्टी सीएम' बनने के दावे को बड़ा झटका लगा है। चुनाव से पहले बड़े-बड़े वादे करने वाली उनकी पार्टी VIP (विकासशील इंसान पार्टी) का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा है। शुरूआती रुझानों के अनुसार, VIP की झोली शून्य (0) सीटों पर सिमट गई है। यह परिणाम स्पष्ट रूप से दशार्ता है कि सहनी की अति-आत्मविश्वासी रणनीति पूरी तरह से विफल रही है। जहाँ NDA ऐतिहासिक जीत की ओर है, वहीं सहनी की पार्टी को निराशा हाथ लगी है, जिससे बिहार की राजनीति में उनकी स्थिति कमजोर हुई है।

'जनता ने दिया एमवाई का नया फामूर्ला', एनडीए की प्रचंड जीत पर बोले पीएम मोदी, मतलब भी बताया

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के परिणामों के रुझानों में एनडीए ने प्रचंड जीत हासिल कर ली है, बीजेपी समेत पूरा एनडीए इस वक्त जश्न में डूबा हुआ है तो वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार विधानसभा चुनावों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (ठऊअ) की शानदार जीत को सुशासन, विकास और सामाजिक न्याय की जीत बताया है।

उन्होंने इस अभूतपूर्व जीत के लिए बिहार की जनता का आभार व्यक्त किया और गठबंधन के नेताओं को भी बधाई दी। दिल्ली बीजेपी के पार्टी मुख्यालय में पार्टी कार्यकताओं को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि 'जय छठी मैया, ये प्रचंड जीत, अटूट विश्वास, बिहार के लोगों ने बिल्कुल गर्दा उड़ा दिया है।'

'ये जीत अपने आप में खास है क्योंकि आज तो बिहार के घर-घर में मखाना खीर बन गई है, बिहार की जनता ने आज ट का नया फामूर्ला दिया है, यहां पर ट का मतलब 'महिला' और का मतलब 'यूथ' से है। राज्य में सभी महिलाओं और युवाओं में मैं तहे दिल से आभार व्यक्त करता हूं और वादा करता हूं कि वो निराश नहीं होंगे।' बता दें कि अभी तक ट का मतलब है मुस्लिम और यादव से था लेकिन आज पीएम मोदी ने इसका नया अर्थ समझाया। उन्होंने आगे कहा कि 'जब मैं बिहार चुनाव में जंगलराज और कट्टा सरकार की बात करता था, तो राजद पार्टी ने कोई आपत्ति नहीं जताई। लेकिन इससे कांग्रेस के लोगों को ठेस पहुंची। आज, मैं फिर से दोहराना चाहता हूं कि कट्टा सरकार बिहार में कभी वापस नहीं आएगी...बिहार के लोगों ने विकसित बिहार के लिए वोट दिया है।'

'सुशासन की जीत हुई है'

इससे पहले पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'सुशासन की जीत हुई है। विकास की जीत हुई है। जन-कल्याण की भावना की जीत हुई है। सामाजिक न्याय की जीत हुई है। बिहार के मेरे परिवारजनों का बहुत-बहुत आभार, जिन्होंने 2025 के विधानसभा चुनावों में एनडीए को ऐतिहासिक और अभूतपूर्व जीत का आशीर्वाद दिया है। यह प्रचंड जनादेश हमें उन्होंने जोर दिया कि यह जनादेश जनता की सेवा करने और बिहार के लिए काम करने की नई शक्ति देता है।'

भारी बहुमत से पुरस्कृत किया (ईं१ उँ४ल्लं५ फी२४'३ 2025)

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि एनडीए ने बिहार के चहुंमुखी विकास को सुनिश्चित किया है। जनता ने सत्तारूढ़ गठबंधन के ट्रैक रिकॉर्ड और बिहार को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के उसके विजन को देखते हुए भारी बहुमत से पुरस्कृत किया है।

एनडीए के हर कार्यकर्ता का भी आभार

उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और एनडीए के सहयोगी चिराग पासवान, जीतन राम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा को इस बड़ी जीत के लिए हार्दिक बधाई दी। पीएम मोदी ने एनडीए के हर कार्यकर्ता का भी आभार जताया, जिन्होंने अथक परिश्रम किया, लोगों के बीच गए, विकास के एजेंडे को प्रस्तुत किया और विपक्ष के हर झूठ का डटकर मुकाबला किया।

एनडीए बिहार के विकास के लिए सक्रिय रूप से काम करेगा-ढट मोदी

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि आने वाले दिनों में एनडीए बिहार के विकास के लिए सक्रिय रूप से काम करेगा, जिससे राज्य के बुनियादी ढांचे और संस्कृति को एक नई पहचान मिलेगी। उन्होंने युवाओं और महिला शक्ति को समृद्ध जीवन के पर्याप्त अवसर सुनिश्चित करने का भी संकल्प लिया।

फिनाले से पहले सलमान खान ने छोड़ा 'बिग बॉस 19', वीकेंड का वॉर कौन करेगा होस्ट?

बिग बॉस 19 के दर्शकों के लिए इस हफ्ते का वीकेंड का वार थोड़ा अलग होने वाला है। सलमान खान, जो हर सप्ताह कंटेस्टेंट की क्लास लेने और दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए जाने जाते हैं, इस बार शो में नजर नहीं आएंगे। इसकी वजह है उनका इंटरनेशनल दबंग टूर, जिसके लिए वह कतर में व्यस्त हैं। शूटिंग शेड्यूल के कारण सलमान मुंबई नहीं लौट पाए, और इसलिए मेकर्स को शो के लिए एक नए मेजबान की तलाश करनी पड़ी।

रोहित शेट्टी करेंगे शो को होस्ट

काफी चर्चा के बाद अब यह तय हो गया है कि इस सप्ताह वीकेंड का वार का जिम्मा बॉलीवुड के लोकप्रिय

निर्देशक रोहित शेट्टी संभालेंगे। रोहित शेट्टी एक मजबूत और सख़्त होस्ट के रूप में जाने जाते हैं, खासकर उनके शो खतरों के खिलाड़ी की वजह से दर्शक उनके बेबाक अंदाज से अच्छी तरह परिचित हैं। पहले खबरें थीं कि फराह खान या करण जौहर में से किसी एक को शो के लिए बुलाया जाएगा। फराह खान को अप्रोच भी किया गया था, लेकिन उनकी पहले से तय प्रतिबद्धताओं के कारण वे यह एपिसोड शूट नहीं कर सकीं। करण जौहर और फराह दोनों इससे पहले भी सलमान की जगह बिग बॉस होस्ट कर चुके हैं।

रोहित शेट्टी और बिग बॉस का पुराना रिश्ता

रोहित शेट्टी पहली बार इस शो का हिस्सा नहीं बन रहे। सीजन 13 में वह सिद्धार्थ शुक्ला और आसिम रियाज के बीच चल रहे तनाव को कम करने के लिए विशेष एपिसोड में आए थे। उस वक्त उन्होंने अपनी शांत और सख्त शैली से दोनों प्रतिभागियों को बैठाकर बातचीत करवाई थी। यही कारण है कि मेकर्स को उम्मीद है कि रोहित इस बार भी कंटेंटेस्ट के बीच चल रहे विवादों पर सही तरीके से बात करेंगे।

इस समय घर के अंदर बढ़ा तनाव

बिग बॉस 19 में हाल ही में गौरव खन्ना कप्तान बने हैं, जिसके बाद घर में वातावरण काफी गर्म है। अमाल मलिक और शहबाज सहित कई प्रतिभागी बिग बॉस पर पक्षपात के आरोप लगा चुके हैं। अब दर्शकों की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि रोहित शेट्टी वीकेंड का वार में इन मुद्दों को किस तरह से उठाते हैं और क्या घरवालों की कड़ी क्लास लगती है या नहीं।

संदीप रेड्डी वांगा ने 'स्पिरिट' के लिए कसी कमर, प्रभास और तृप्ति डिमरी इस महीने से शुरू करेंगे शूटिंग

(जीएनएस)।

साउथ सिनेमा के सुपरस्टार प्रभास की आने वाली फिल्म स्पिरिट इन दिनों चर्चा का केंद्र बनी हुई है। यह फिल्म एक एक्शन-थ्रिलर कॉप ड्रामा है, जिसका निर्देशन मशहूर फिल्म निमार्ता संदीप रेड्डी वांगा कर रहे हैं। हाल ही में फिल्म का टीजर रिलीज किया गया था, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा और अब इसके बारे में नई जानकारी आ रही है। प्रभास के फैंस के लिए एक बड़ी खबर यह है कि फिल्म की शूटिंग नवंबर के आखिरी सप्ताह में शुरू होने जा रही है, जिससे फिल्म के प्रति उनकी उत्सुकता और बढ़ गई है।

टीजर से बढ़ी फैंस की उम्मीदें

फिल्म का टीजर पहले ही दर्शकों के बीच काफी धूम मचा चुका है, जिसमें प्रभास के शानदार एक्शन अवतार को देखा गया। फिल्म में प्रभास के किरदार को लेकर फैंस में

बहुत उत्सुकता है, और अब शूटिंग के शुरू होने की तारीख से यह उम्मीद और भी मजबूत हो गई है। निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि फिल्म की शूटिंग इसी महीने के अंत तक शुरू हो जाएगी, जिससे फैंस में इस फिल्म के लिए और भी इंतजार की भावना पैदा हो गई है।

चिरंजीवी के रोल को लेकर आई थी अफवाहें

फिल्म को लेकर पहले कुछ अफवाहें भी उड़ी थीं कि मेगास्टार चिरंजीवी को प्रभास के पिता के रोल के लिए कास्ट किया जा रहा है, लेकिन संदीप रेड्डी वांगा ने इन सभी अटकलों को नकारते हुए इस खबर को गलत बताया। अब यह साफ हो गया है कि प्रभास के साथ मुख्य भूमिका में अभिनेत्री तृप्ति डिमरी दिखाई देंगी। पहले इस रोल के लिए दीपिका पादुकोण का नाम लिया जा रहा था, लेकिन उनके बढ़ते हुए शेड्यूल और डिमांड के कारण तृप्ति डिमरी को कास्ट किया गया।

महत्वपूर्ण भूमिका में विवेक ओबेरॉय और प्रकाश राज

फिल्म स्पिरिट में प्रभास और तृप्ति डिमरी के अलावा विवेक ओबेरॉय और प्रकाश राज जैसे बड़े नाम भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म एक्शन, ड्रामा और रोमांस का बेहतरीन मिश्रण होगी, जिसे दर्शक बड़े पर्दे पर देखेंगे।